[illegible]

[illegible]

[illegible]
Mohammed Abdul [illegible]
Email hafeezanwar@yahoo.com

[illegible] 1442/2023 [illegible]

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन का कोई भी हिस्सा पुनर्प्राप्ति प्रणाली में पुन: पेश या संग्रहीत नहीं किया जा सकता है, या किसी भी रूप में या किसी भी तरह से, इलेक्ट्रॉनिक या अन्यथा प्रकाशक से लिखित अनुमति के बिना प्रेषित किया जा सकता है।

अंतर्वस्तु

1. नेक नबी के सम्मान में ……………………..…… … … … … … … … … … … … … … … …. 3

2. शेख अब्दुल कादर जिलानी के सम्मान में..5

3. प्रस्तावना
… …

… … ….. 13

4. शेख मोहिउद्दीन साहब की याद में……………………………………………….17

5.द गुलदस्त हिदायत……………………………………………………………21

6.प्रारंभिक
शिक्षा………………………………………………………………..2 4

7. प्रतिज्ञा विवरण
… …

….. 24

8.सेवा
विवरण…………………………………………………………………… … … 24

9. उनकी सेवा छोड़ने का विवरण ….। 27

10.मॉन्टेन विवरण पर रोक … 128

11. खिलाफत और प्रतिज्ञा स्वीकार करने की अनुमति…………………………. 33

12. प्रारंभिक बैठकों का विवरण... 33

13. उनकी उदारता का विवरण ………………………… … … … … … … … … … … … … … … 38

14. अदृश्य स्रोत ………………………………………… … … … … … … … … … … … … … … … … 33

15.जीवनी और वर्षगांठ विवरण का सार………… … … … … … … … … … … … … … …40

16. उनके पत्र के अंश का विवरण........... … … … … … … … … … … … … … … … … … … …..42

1. महान पैगंबर मोहम्मद की प्रशंसा में (शांति उस पर हो)

मदीना में पैगंबर की कब्र है, जो स्वर्गदूतों द्वारा दौरा किया गया था

यह ऐसी कब्र है, एम्पायरन और आकाश में उत्कृष्टता है

मदीना में पवित्र पैगंबर का मकबरा

क्या बागानों के साथ मदीना के रेगिस्तान के बीच कोई संबंध है?

तो मदीना की प्यारी हवा के साथ, यह स्वर्ग के बगीचे से ईर्ष्या करता है

यदि मदीना सिटी सुरक्षित है तो सब कुछ सुरक्षित है इसलिए अल्लाह इसे आशीर्वाद के कारण के रूप में रखता है

मदीना एक ऐसा बगीचा शहर है जो सभी उद्यानों की सजावट है

स्वर्ग के बगीचों के मौसम मदीना के कारण हैं

मदीना को छोड़ते समय, इसलिए स्वर्ग के बगीचे में जाने की आवश्यकता नहीं है

चूंकि यह स्वर्ग से बेहतर है और यह पृथ्वी पर एक जीवित स्वर्ग है

हम नहीं बल्कि अल्लाह भी मदीना शहर से प्यार करते हैं मदीना का प्यार पैगंबर के प्यार की तरह है

इस दरवाजे का भिखारी भाग्य और दुनिया का राजा है
इस जगह का भिखारी राजाओं के ईर्ष्या का विषय है

जो वहां अमीर हो गया है इसलिए उसकी किस्मत समझ नहीं पाई पुनरुत्थान दिवस पैगंबर में, इब्राहिम को वहां मदद मिलेगी

ओह, अल्लाह हमें मदीना शहर तक पहुंचने में मदद करता है कि यह कैसे है?
दया कहाँ है और हर जगह आशीर्वाद उपलब्ध है?

यदि कोई मदीना छोड़ देता है तो उसे स्वर्ग की खुशबू नहीं मिलेगी
अगर मदीना का प्यार है तो यह स्वर्ग की गारंटी है

पृथ्वी पर, उन्हें आसमान में मोहम्मद और अहमद कहा जाता है

उनकी प्रशंसा दुनिया में है और उनकी प्रशंसा भी आसमान में पाई जाती है

मदीना में उसका शासन भी है वह भी आसमान का शासक है मदीना राजधानी है और वह दो दुनिया का शासक है

मदीना सिटी से निकलकर आपने हाफ़ेज़ को क्या गलती की? यह ऐसा स्वर्ग है और एम्पायर के कोणों से पसंद किया जाता है

हाफ़ेज़ मदीना शहर छोड़कर स्वर्ग क्यों जाएगा? मदीना शहर की खातिर यह स्वर्ग क्या है?

द्वारा अनुवाद किया गया
A.hafeez

2. हज़रत शेख अब्दुल क्वाडर जिलानी आर.ए.

हजरत शेख अब्दुल क्वाडर जिलानी आर.ए.

मुझे अपने तरह के दरवाजे पर कॉल करने के लिए ओह शाह घोष आज़म
ओह शाह घौंद आज़म मुझे अपनी तरह की मदद प्रदान करें

मेरी स्थिति में सुधार करने के लिए ओह शाह गौहा आज़म मेरी मदद करने के लिए मैं तुम्हारा गुलाम ओह शाह घौंद आज़म हूं

शहीदों की खातिर ओह शाह घोष आज़म
और शाह गौहा आज़म का अपना बहुत एहसान दिखाएं
अपनी स्थिति के रूप में अपना पक्ष दिखाने के लिए आजकल खराब है
इसलिए यह शौक के साथ और एक असहाय स्थिति में है
पीरन पीयर, हेल्पर और सुल्तान और दस्तगिर ऑफ टाइम जल्द से जल्द अपनी कठिनाई को दूर करने के लिए मैं बहुत चिंतित हूं
सभी पवित्र व्यक्ति आपके सामने गर्दन के साथ नीचे हैं सभी ने असहाय स्थिति में कहा ओह शाह घौंद आज़म
हमारी छाती को हल्का करने के लिए आपकी कृपा के साथ और साथ ही दिलों को भी
हमें धर्म की कृपा सिखाएं ओह शाह घौंद आज़म
दु: ख के समुद्र में नाव आप हमारे लिए एकमात्र सेवर हैं आओ और नाव को गोल करने में मदद करें ओह शाह घौंद आज़म दु: ख के तूफान की लहरें हर जगह से हैं
हमें इस तरह की परेशानी से बचाने के लिए जल्द ही ओह शाह गौहा आज़म
बगदाद में अपनी मकबरे को देखने के लिए हाफ़िज़ की इच्छा है

अपने सबसे कम सेवक को बगदाद ओह घोष आज़म को बुलाने के लिए

ए। हाफ़ेज़ द्वारा

द मिरेकल ऑफ हैड्रत शेख अब्दुल क्वाडर जिलानी (आर.ए.)

हजरत शेख अब्दुल क्वाडर जिलानी आर.ए.

हैदरत शेख अब्दुल क्वाडर जिलानी (आर.ए.), पैगंबर मोहम्मद जैसे सभी पवित्र व्यक्तियों के नेता हैं (शांति उस पर हो।)

अल्लाह के सभी नबियों के समूह का नेता है जिसे दुनिया पर भेजा गया है। इसलिए, इस कारण से, उन्हें कहा जाता है और वह सभी संतों के प्रमुख के रूप में प्रसिद्ध हैं। उनके आध्यात्मिक लाभ और उनके चमत्कारों से एहसान समय की सभी अवधि में उपलब्ध थे और आज भी जारी रखा जा रहा है और निर्णय के दिन तक, इस तरह के एहसान और लाभ मानव जाति के लिए उपलब्ध होंगे दुनिया। क्योंकि पवित्र व्यक्तियों का एहसान और लाभ जो जीवन अवधि के दौरान

उपलब्ध है और जो दुनिया से उनके निधन के बाद दुनिया में भी उपलब्ध होगा। अल्लाह सबसे दयालु और लाभकारी ने पवित्र व्यक्तियों को हर समय में रखा है ताकि उनसे मानव जाति को चमत्कार और लाभ के एहसान उपलब्ध हो।

अल्लाह की पैगंबर की आज्ञाकारिता में अल्लाह की निकटता और पूर्णता के कारण पवित्र व्यक्ति वे पापों से दूर थे। अल्लाह ने उन्हें पैगंबर मोहम्मद के राष्ट्र के पवित्र व्यक्तियों की सबसे उत्कृष्ट स्थिति दी है (शांति उस पर हो) और अल्लाह की दिव्य शक्ति पवित्र व्यक्तियों द्वारा प्रकट की जा रही है

इसलिए पवित्र व्यक्तियों से एहसान और लाभ प्राप्त करने के लिए वास्तव में अल्लाह से एहसान और लाभ प्राप्त करना है क्योंकि उनकी कहावत, कार्रवाई अल्लाह की आज्ञाओं के अनुसार और अल्लाह के अंतिम पैगंबर के अभ्यास के अनुसार है।

हैदरत शेख अब्दुल क्वाडर जिलानी (आर.ए.), और जो आध्यात्मिक चमत्कार के सभी समय के पक्ष में कुतुब (आध्यात्मिक धुरी में उच्चतम कैडर) थे, उनके कहने में उपलब्ध है, जिसे निम्नानुसार बताया गया है।

"अगर मेरे शिष्य का छिपना खुला रहेगा और यदि वह पूर्व में वहां होगा, और अगर मैं पश्चिम में हूं तो मैं इसे कवर करूंगा।"

इस तरह, उनके शिष्य और भक्त हर समय और हमेशा में आध्यात्मिक शक्तियों के चमत्कारों और लाभों के अपने पक्ष को प्राप्त करने में सक्षम थे। और वे उसे अल्लाह की मदद के रूप में समझते हैं और इसलिए, इस कारण से, वे

चमत्कारों और उससे लाभ के अपने पक्ष को देखते हैं। पैगंबर का कहना है, जो इस प्रकार है।

"अगर आपका जानवर आपसे भाग जाएगा तो आपको कॉल करना चाहिए क्योंकि अल्लाह के लोग मेरी मदद करते हैं।"

इस्लाम के धर्म के पुनरुद्धार के लिए, हदरत शेख अब्दुल क्वाडर जिलानी (आर.ए.), इस तरह के एक विशाल व्यक्तित्व और एक महान नेता हैं और इस्लाम के धर्म को अनुकरणीय आकार में एक मरीज के रूप में खोजते हुए अपने हाथ का आशीर्वाद देने के कारण और दिए गए हैं। इसके लिए नया जीवन और तब वह मोहिउद्दीन के शीर्षक से प्रसिद्ध और प्रसिद्ध हो रहा था।

गुलदस्ता हिदेत

मदीना में पवित्र पैगंबर का मकबरा

द्वारा
A.Hafeez
अमेज़ॅन किंडल लेखक

प्रस्तावना

मोहम्मद जमील अहमद एम.ए. की पुस्तक 'गुलदस्ता हिदायत' के उर्दू सस्करण से चयनित एपिसोड के इस पुस्तक में अनुवाद मेरे द्वारा अंग्रेजी संस्करण में इसके अनुवाद के बाद जोड़ा गया है और यह पुस्तक अच्छी तरह से ज्ञात है और यह एक प्रसिद्ध उर्दू पुस्तक है जो है उपरोक्त लेखक द्वारा लिखित और जिन्होंने इस पुस्तक को उर्दू भाषा में लिखा था और जिसका मेरे द्वारा पहली बार अंग्रेजी भाषा में अनुवाद किया गया है।

यह एक बहुत ही कठिन काम है, क्योंकि हज़रत न केवल हैदराबाद, भारत के क्षेत्र में अपने समय का एक महान पवित्र व्यक्तित्व था, बल्कि वह अपने समय के एक महान सूफी व्यक्ति भी थे। इसलिए, संक्षेप में, वह हैदराबाद क्षेत्र में अपने समय के पवित्र संतों के उच्चतम कैडर के नेता थे।

एक लंबे समय के लिए, वह धार्मिक प्रवचनों, उपदेशों और लोगों के आध्यात्मिक प्रशिक्षण में लगे हुए थे, और उन्होंने हैदराबाद के क्षेत्र में और इस क्षेत्र के आसपास इस्लाम के उपदेश और प्रसार कार्य के लिए कई महान प्रयास भी किए, और कोई भी नहीं था, और कोई भी नहीं था। अपने समय के दौरान ऐसा व्यक्तित्व।

वह निज़ामाबाद, कामारेडी, मेडक जिले के कई सामान्य और विशेष व्यक्तियों के आध्यात्मिक गुरु थे, और हैदराबाद के अन्य विशाल क्षेत्रों के साथ -साथ बड़ी संख्या में अन्य जिन्होंने उनका अनुसरण किया है और हैदराबाद में उनके शिक्षण और प्रचार मिशन पर काम किया। पुस्तक के अनुसार, इस विषय पर उनके शिक्षण और सलाह से कई हजारों लोगों को लाभ हुआ है।

पाठकों को इस पुस्तक को पढ़ने में रुचि मिलेगी, क्योंकि इस सूफी संत की सकारात्मक जानकारी और महान विवरण, जो उनकी जीवनी के विवरण के अनुसार, मेडक जिले से हैदराबाद पहुंचे थे।

यह एक छोटी सी किताब है जिसमें "शेख मोहिउद्दीन साहिब हैदराबाद" की एक जीवनी है, और इस पुस्तक में, हैदराबाद में मेडक क्षेत्र से इस महान शेख की कुछ महान उपलब्धियां हैं जो अभी तक आम जनता के लिए नहीं जानी जाती हैं, और अन्य व्यक्तियों को एक बहुत ही दिलचस्प शैली में प्रकाशित किया जाता है, इसलिए, इस कारण से, पाठकों को इस मामले में बहुत रुचि और ध्यान मिलेगा।

पूर्वगामी तथ्यों और विवरणों से, पाठकों को इस पुस्तक के पहले अध्याय को पढ़ना शुरू करना चाहिए और जब तक वे अपने अंतिम अध्याय तक नहीं पहुंचते हैं, तब तक पढ़ना जारी रखना चाहिए, क्योंकि इस पुस्तक में कुछ दिलचस्प घटनाओं के साथ -साथ पवित्र संत के अन्य महान प्रयास शामिल हैं, जिनकी कई साल पहले मृत्यु हो गई थी।

देशी जगह छोड़कर पहाड़ पर रहना

इस पुस्तक में उनके सबसे उल्लेखनीय चमत्कार शामिल हैं: वह कुछ समय के लिए छोटी, टूटी हुई झोपड़ी में कुछ समय के लिए आबादी से दूर पहाड़ क्षेत्र में रुके थे, जहां अल्लाह की मदद के अलावा कोई सुविधाएं, सुरक्षा या सुरक्षा नहीं थीं, उनकी पत्नी और उनकी पत्नी दो महीने का बेटा, जो एक महत्वपूर्ण कंडे से गुजरा एक रात में इटियन, लेकिन वह अल्लाह की मदद के कारण इस मामले में सफल रहा।

सेवा छोड़ने और अल्लाह में विश्वास के जीवन का पालन करना

इस अध्याय में बताया गया है कि कैसे शेख ऑफ टाइम ने एक बड़े परिवार के बावजूद अपनी अच्छी सरकारी नौकरी छोड़ दी, और इस पुस्तक में यह समझाया गया है कि उन्होंने सेवा क्यों छोड़ी, न केवल अल्लाह में उनके विश्वास के कारण बल्कि अन्य विवरणों को इस प्रकरण में शामिल किया गया है। यह मामला।

हज़रत के अंतिम संस्कार के बारे में अनुवादकों की टिप्पणी

भले ही अनुवादक उस समय शेख का शिष्य नहीं था, वह एक प्रशंसक था, और वह उस समय मौजूद था, साथ ही उसके कुछ रिश्तेदारों के साथ, उसकी मृत्यु के बारे में उसके दुख के साथ। मैंने इस अवसर पर सभी धर्मों और विभिन्न समुदायों के लोगों की इतनी बड़ी सभा कभी नहीं देखी है, और मैंने कभी भी वहां लोगों की इतनी बड़ी भीड़ नहीं देखी है।

लोगों की भीड़ ऐसी थी कि ऐसे लोगों की भारी हरकतें थीं जो किसी भी बिंदु पर नहीं रुकती थीं, क्योंकि कुछ समूह आए और चले गए और अन्य समूह शाक ऑफ टाइम के अंतिम संस्कार के संस्कार में भाग लेने आए। उस समय के दौरान, अंतिम संस्कार के स्थान को बेहद भीड़भाड़ माना जाता था, जिसमें आने और जाने वाले लोगों की उच्च मात्रा के कारण कोई उपलब्ध नहीं था। और इस कारण से, अनुवादक ने अपने एक रिश्तेदार को बताया, जिसने उससे पूछा, "क्या आप समय के शेख के किसी भी चमत्कार को जानते हैं?" "कृपया भारी भीड़ और बड़ी संख्या में अंतिम संस्कार सभा को देखें, जो

दिखाते हैं कि हज़रत अपने शिष्यों, भक्तों और मेरे जैसे प्रशंसकों जैसे अन्य व्यक्तियों के बीच कैसे लोकप्रिय थे," उन्होंने कहा। रिश्तेदार ने मुझे बताया, "हाँ, यह सही है, और आप सही हैं; यह इस मामले में समय की अंतिम अलौकिक आदत (चमत्कार) का शेख है। "

अपने शिष्यों के लिए हज़रत शेख मोहिउद्दीन साहिब द्वारा "मुस्लिम संतों और मनीषक" (तदकिर्तल अलियाह द्वारा तदाखर्टल अलियाह) के लिए सलाह के बारे में

यह सलाह इस मामले में सभी शिष्यों के लिए पुस्तक के भाग सेकंड में पाई गई है। मुझे यह पुस्तक मेरे एक रिश्तेदार द्वारा मिली है, जो शेख मोहिउद्दीन साहिब के शिष्य हैं। यह पुस्तक 800 साल पहले फारसी में खाजा फरीद एल्डिन अटार द्वारा लिखी गई थी। और इसकी विरासत का दर्जा है और इसे लंबे समय तक बगदाद के निज़ामिया विश्वविद्यालय में पढ़ाया गया था।

इस पुस्तक में 96 अध्याय उपलब्ध हैं। और अंग्रेजी अनुवाद में पुस्तकों के दो भाग पाए जाते हैं और पुस्तक का एक हिस्सा इस पुस्तक के अनुवादक द्वारा अनुवादित है।

4. शेख मोहिउद्दीन साहिब हैदराबाद का सम्मान

ओह शाह मोहि आप प्रसिद्ध शेख में से एक हैं
आपकी स्थिति सभी पवित्र व्यक्तियों में अधिक है

आपकी स्थिति बहुत अच्छी है जैसा कि आपने इस्लाम के लिए काम किया है
आपने अल्लाह द्वारा दुनिया में एक पद दिया है

आप महान हैं जैसे आप पवित्र व्यक्तियों में से हैं सामान्य और सभी को आपके पक्ष में पसंद किया गया

आप अल्लाह और पैगंबर के सही रास्ते पर हैं
तो आप महान पवित्र व्यक्ति बन गए हैं

यह दर्शाता है कि आप इस्लाम के सही रास्ते पर हैं और इस्लाम के लिए, आपने कड़ी मेहनत की है

अल्लाह ने स्थिति की अपनी स्थिति बढ़ाएं

इस कारण से आपको सफलता मिलेगी

ओह शेख आपका नाम प्रसिद्ध और ज्ञात है
आपका प्रभाव उच्च और बहुत महान है

ओह शाह का समय, हाफ़ेज़ आपका पुराना सेवक है
इसलिए उसकी इच्छाओं और इच्छाओं को मत भूलना

कृपया अपनी जीवनी की पुस्तक को सफलता दें
जो अंतर्राष्ट्रीय संस्करणों के लिए प्रिंट करने जा रहा है

ओह महान शाह ग्रांट हाफ़ेज़ और सभी की शुभकामनाएं जैसा कि वे दयालुता और एहसान के दरवाजे पर हैं

हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप सभी की शुभकामनाएं दें ताकि हम आपके दरवाजे से खाली नहीं जा सकें

अंत में अपने अदालत को छोड़ने के लिए Hafeez को अनुमति दें
यह दुखद है कि अभी भी आपके काम दुनिया में नहीं ज्ञात हैं

आपकी पुस्तक द्वारा, आपके काम दुनिया में जाना जाएगा

और सभी को बहुत खुशी और आराम मिलेगा

द्वारा
ए। हाफीज़
अमेज़ॅन किंडल लेखक

गुलदस्ता हिदेत

हज़रत शेख मोहिउद्दीन साहिब को मनाने के लिए

यदि आपने कभी पीरन के शाह के बारे में सुना है,
तो आप पीरन के शाह के लिए काम कर सकते हैं?
हम भक्ति के साथ आपका नाम पढ़ते हैं, पीरन के ओह शाह। तो हमारे दिल आराम से होंगे, पीरन के ओह शाह।

दो दुनिया, मस्जिद, या किसी अन्य चीजों की कोई परवाह नहीं है

एक व्यक्ति का काम अल्लाह द्वारा किया जाएगा, पीरन के ओह शाह।

और कोई भी उसके लिए दुनिया की इच्छाओं की परवाह नहीं करता है।

ओह, शाह पीरन, आपने मुझे ऐसा पेय का एक कप दिया है।

मुसीबत के समय में, अब वह हैफेज़ सामग्री है,

इसमें कोई संदेह नहीं है कि पीरन का शाह प्रसन्न है।

ए। हाफ़ेज़ द्वारा

गुलदस्ता हिदेत

मूल स्थान और पारिवारिक विवरण: येल्डुर्टी मेडक जिले का एक गाँव है जो जंगलों, धाराओं और नदियों द्वारा चारों ओर से घिरा हुआ है। पिछले 25 वर्षों से पहले, कोई स्थायी सड़कें और पुल नहीं थे, और परिणामस्वरूप, गेटिन में कई कठिनाइयाँ थीं जी टू और यलडुर्टी से, विशेष रूप से बरसात के मौसम के दौरान, जब यह क्षेत्र नदियों और धाराओं से घिरा होगा और एक द्वीप बन जाएगा, जो आगंतुकों और यात्रियों को इस दूरदराज के स्थान पर रोक देगा।

हालांकि, स्थायी सड़कों और पुलों के निर्माण के लिए धन्यवाद, अतीत की समस्याएं अब इस क्षेत्र में मौजूद नहीं हैं। अब यलदुर्टी से मेडक, टॉपरन और नरसापुर के लिए सभी तरह से स्थायी सड़कें हैं। एक परिणाम, बसें, बसें, बसें, बसें, बसें, बसें, बसें, बसें लॉरिस, और परिवहन के अन्य तरीके वहां से उपलब्ध हैं।

मंजरा नदी के पास मेडक से जोगिपेट तक, सड़क के किनारे एक गाँव है जिसे चितकल गांव के रूप में जाना जाता है, और यह कहा जाता है कि हज़रत शेख मोहिउद्दीन साहिब के पूर्वजों ने चितकल गांव से यलदुर्टी में चले गए हैं आधार। और इस कारण से, उनके परिवार को चितकल परिवार के रूप में जाना जाता था। समय का शेख एक प्रसिद्ध और सम्मानित परिवार के सदस्य हैं। उनके पिता का नाम मोहम्मद कासिम साहिब है, उनकी मां का नाम अमाना बी साहिबा है, और उनके पिता को चितकल कसियम साहब के नाम से जाना जाता था। उनका व्यवसाय उत्पाद शुल्क और वन विभागों के लिए ठेकेदार का था। वह कृषि और खेती के काम में भी शामिल था, और उसके पास गाँव में एक स्थायी घर था, जो एक बंगले के समान था और जो अभी भी एक सम्मानजनक तरीके से सड़क के किनारे खड़ा था।

द शेख ऑफ टाइम का जन्म 25 अगस्त, 1916 को हुआ था, जो हज़रत अमना बी साहिबा के शरीर से चितकल कासिम साहिब के माननीय परिवार में शुक्रवार को शव्वाल 25, 1334 हिजरी से मेल खाती है।

यह कहने के लिए कि एक लड़का पैदा हुआ था, लेकिन कोई भी नहीं जानता था कि वह लड़का जो अल्लाह की निष्ठा के रूप में दुनिया में आया था और जिसने अपने समय के दौरान सत्य और ज्ञान की नदियों को उड़ा दिया है और कई हजारों लोगों को अज्ञानता और गुमराह के अंधेरे से हटा दिया है। कुरान और हदीस के प्रकाश में उन्हें उन्हें सही रास्ता दिखाया गया और उन सभी ने इस तरह से पीछा किया और उन्हें

इस मामले में इन महान प्रयासों के लिए अपना सारा जीवन बख्शा गया।

उस पर कई हजार सलाम होंगे जब वह निम्नलिखित कहावत की तरह अदृश्य के घूंघट से इस दुनिया में दिखाई दिया था।

एकता के आह्वान के अनुसार और लालित्य के लिए

वह बीबी अमाना की गोद में निष्ठा के रूप में पहुंचे।

परिवार के सदस्य: चिटल कासिम साहिब के परिवार में चार लड़के और तीन लड़कियां पैदा हुईं, और उनमें से पहला बेटा हज़रत था, जिसका नाम शेक मोहिउद्दीन साहिब था; दूसरा बेटा, जिसका नाम घौहा मोहिउद्दीन था; तीसरा बेटा, जिसका नाम बुरहान उडिन था; और चौथे बेटे खाजा मोहिउद्दीन थे, जिनकी मृत्यु एक बच्चे के रूप में हुई थी।

लड़कियों में, पहली लड़की का नाम मालन बी साहबा है, दूसरी लड़की का नाम रबिया बी साहबा है, और तीसरी लड़की का नाम हाफिजा बी साहबा है। इन तीन भाइयों और तीन बहनों ने शादी की जब वे विवाह योग्य उम्र तक पहुंच गए, और वे सभी अपने बच्चों के साथ और अपने परिवारों के साथ अपने घरों में बस गए।

हज़रत अपने पूरे परिवार के सदस्यों और उनके पिता से काफी अलग थे। उनकी सोच और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर था। उनका स्वभाव वास्तविकता की तरह था, जैसा कि इस मामले में उनका रिवाज था। उन्हें इस क्षेत्र में हर चीज के लिए सबक लेने की आदत थी। यहां तक कि, रंगीन दुनिया और उसके आकर्षण में रहने के दौरान, वह हमेशा दुनिया की असमानता और टीनरेबल जीवन के बारे में सोचता था, जिसमें वह बहुत दिलचस्पी नहीं रखता है।

6.Education: उनके बचपन में, उनकी प्रारंभिक शिक्षा उनके मूल स्थान, येल्डुर्टी गांव में पूरी हुई थी। और यहां खत्म करने के बाद, वह आगे की शिक्षा के लिए हैदराबाद गए। उन्हें वर्ष 1932 में हैदराबाद में दारुल-यूलूम स्कूल में भर्ती कराया गया था, और उन्होंने अपनी शिक्षा सातवीं कक्षा तक पूरी की। उन्हें 1941 में पंजाब मुंशी कोर्स के लिए लंबे समय तक इंतजार करने के बाद, न्यू अज़म्पुरा, हैदराबाद में हामिदिया संस्थान में भर्ती कराया गया था, और उन्होंने दिल्ली केंद्र से परीक्षा ली और पहली डिवीजन में पंजाब मुंशी परीक्षा उत्तीर्ण की, भाषा में पूर्णता प्राप्त की। उर्दू, अरबी और फारसी के साथ -साथ अंग्रेजी और तेलुगु का ज्ञान भी।

7.PLEDGE: 8 जनवरी, 1939 को, हज़रत को हज़रत सैयद शाह अब्दुल क्वाडर साहिब दरवेश क्वारी चिस्टी के हाथों में गिरवी रखा गया था, और जो बीजापुर से थे और उस समय वह रह रहे थे, हज़रत बंदा नवाज गुलबेरा के तीर्थ क्षेत्र में। , और वह रहस्यवाद की स्थिति में रहना शुरू कर दिया।

8. आर्थिक और रोजगार के मामलों मेंगामी: वर्ष 1935 में, वह अस्थायी आधार पर कामारेडी में भूमि रिकॉर्ड विभाग की सेवा में शामिल हुए थे, और उन्होंने अपने पिता के दौरान, वर्ष 1936 में अपने कर्तव्यों का पालन किया है। एक आबकारी और वन ठेकेदार के रूप में काम करते हुए, वह उनके साथ अपने काम में शामिल हो गया। उन्हें गुलेबेगा में सुबादरी कार्यालय में राजस्व विभाग में अस्थायी के रूप में नियुक्त किया गया था और दिसंबर 1941 में मुंशी परीक्षा पास करने के बाद। 7 अक्टूबर, 1943 को, उन्हें उसी विभाग में एक स्थायी क्लर्क नियुक्त किया गया था। उसे भ्रष्टाचार के लिए बहुत नफरत थी। हज़रत की छह साल की सेवा के दौरान, उन्होंने फेयर मीन्स के माध्यम से आजीविका अर्जित करने पर अपना जीवन बिताया, जिसका अर्थ है कि उन्होंने अपना जीवन खर्च केवल अपने पर खर्च किया

है इस मामले में वेतन राशि और उन्हें इस पद्धति का पालन किया गया।

वर्ष 1947 के 20 अप्रैल को, उन्हें सुबादरी गुलबर्गा से सुबादरी मेडक में स्थानांतरित कर दिया गया, हैदराबाद में हेड क्वार्टर के साथ, और हैदराबाद में कुछ महीनों में काम करने के बाद, उन्होंने हैदराबाद में अपनी नौकरी छोड़ दी।

उनके विवाहित जीवन का विवरण: 1936 में, 20 साल की उम्र में, उन्होंने मोहम्मद बी, ने अपने असली चाचा, अब्दुल सत्तार की बेटी, मास्यापेट के और डेढ़ साल की शादी की अवधि के बाद, एक बेटा से शादी की। उसके लिए पैदा हुआ था; यह बेटा अभी भी दो महीने की उम्र में नहीं था जब उनकी मां की मृत्यु हो गई जब उनकी मृत्यु वर्ष 1938 में हुई। और हज़रत की मां ने अपने पोते को खिलाने और बढ़ने की जिम्मेदारी लेना शुरू कर दिया और उस लड़के का नाम अकरमुद्दीन था, जो वर्तमान में अपने मूल निवासी में था परिवार के सदस्यों के साथ यल्दुरति का शहर।

हज़रत की दूसरी शादी एक सीमा शुल्क कर्मचारी और चिगुन्टा के निवासी मौलवई गुलाम रसूल की बेटी के साथ हुई; उसका नाम मुन्नी बी साहिबा था, और यह शादी की अवधि भी संक्षिप्त थी। और इस एक साल की शादी की अवधि के दौरान, एक लड़का पैदा हुआ था, और दूध खिलाने की अवधि के दौरान लड़के और उसकी माँ दोनों की मृत्यु हो गई।

उन्होंने तीसरी बार मुलवी मकबूल अहमद की बेटी के साथ शादी की, जो कि टॉपरान गांव के निवासी थे, जो राजा धर्म करण बहादुर की संपत्ति के अधीक्षक थे और जिनका नाम कुबरा बी साहिबा था और जो अब हमारे पीरानी मा साहिबा (आध्यात्मिक मास्टर की पत्नी) हैं वर्ष 1942 में 25 अगस्त को, जो सोमवार को वर्ष 1361 हिजिरी में 26 वें राजब से मेल खाती है। और चार लड़कों और एक लड़की का जन्म

उसके शरीर से और कुल पांच बच्चों के लिए हुआ था; विवरण निम्नानुसार है:

1.Taher Mohiuddin 2.Ahmed Mohiuddin 3.Ghulam Mohiuddn 4.Mohammed Fakheruddin 5.Fatima Bi

पहले तीन बेटों की मृत्यु हो गई और विवरण इस प्रकार हैं।

चार साल की उम्र में ताहेर मोहिउद्दीन, डेढ़ साल की उम्र में अहमद मोहिउद्दीन और चार महीने की उम्र में गुलाम मोहिउद्दीन।

उनमें से, भाग्य के बेटे, मोहम्मद फखरुद्दीन साहिब, और उनकी पवित्र बेटी, फातिमा द्वि साहिबा, अभी भी जीवित हैं, और उनके जीवनी विवरण इस प्रकार हैं:

सम्मानजनक मोहम्मद फखरुद्दीन साहिब का जन्म 13 जून, 1951 को टॉपरान गांव में हुआ था, जो वर्ष 1370 में 7 वीं रामदान के अनुरूप था, बुधवार को उनके चाचा गुलाम मोहिउद्दीन साहिब और बेटी फातिमा बी साहिबा का जन्म 19 जून, 1963 को हुआ था।, वर्ष 1383 में 26 वें मुहेराम के अनुरूप, बुधवार को, मुनीर उडिन साहिब की पत्नी, वहाइद द्वि साहिबा के घर में, हैदराबाद के लाल दरवाजा इलाके में, और इन दोनों बेटे और हज़रत की बेटी को एक बेहतर रूप से लाया गया। रास्ता।

मोहम्मद फखरुद्दीन साहिब, बेटे, ने 21 दिसंबर, 1973 को महमूद बेगम से शादी की, और दंपति के निम्नलिखित बच्चे हैं, जिनमें से विवरण इस प्रकार हैं:

1.AMJAD मोहिउद्दीन 2. टासनीम कौर 3. आरशद मोहिउद्दीन,

19 मार्च, 1978 को हज़रत की बेटी फातिमा बी साहिबा ने अब्दुल वाहिद साहिब (अशरफ) के साथ शादी की, और उनके बच्चे इस प्रकार हैं:

1. मोहम्मद अनवर हुसैन 2. मेरज फातिमा 3. मोहम्मद मुनवर हुसैन।

हज़रत और उनकी पत्नी बारिश बाजार में स्थित अपने घर में रह रहे हैं, और उनके बेटे फखरुद्दीन साहिब मोइन बाग क्षेत्र में परिवार के सदस्यों के साथ रह रहे हैं। और उनकी बेटी फातिमा बी साहिबा अपने भाई फकरुद्दीन साहिब के घर के करीब, मोइन बाग में अपने परिवार के साथ अपने घर में रहती है।

मोइन बाग के इलाके में, हज़रत के कई शिष्यों और भक्तों का निवास है। नतीजतन, हज़रत रेन बाजार से मोइन बाग तक यात्रा करने और इस मामले में अपनी संतान को देखने के साथ -साथ अपने अन्य रिश्तेदारों, शिष्यों और भक्तों को देखने और देखने के लिए यात्रा करता था।

9. सेवा छोड़ने और अल्लाह में विश्वास के जीवन का पालन करना

अक्टूबर 1947 के महीने में, हज़रत ने अपनी सेवा छोड़ दी है, ताकि इस मामले में अल्लाह की पूजा करने के लिए पूर्ण ध्यान और पूर्णता हो। उन दिनों, उनकी सोच में कई बदलाव आए। भले ही उनके पिता उन्हें सेवा में शामिल होने के लिए और सेवा छोड़ने के लिए नहीं कहते थे, लेकिन यह इस मामले में संभव नहीं था। उनकी नौकरी के लिए, उनके पिता ने अपना अवकाश आवेदन भेजना शुरू कर दिया, और छुट्टी की अवधि के लिए मंजूरी थी, लेकिन उन्होंने इस मामले में छुट्टी की अवधि के लिए वेतन प्राप्त करने से इनकार कर दिया।

जब वह अपनी सेवा छोड़ कर अपने गृहनगर लौट आया, तो रामदन का महीना शुरू हो जाएगा। इमाम हुसैन की शहादत की याद में) जो उनके घर के बगल में था। जिसमें वह तसलीम की पूरी वर्णमाला के माध्यम से चलने वाले एक लेखक द्वारा द दीवान (ओड्स या अन्य कविताओं की एक पूरी श्रृंखला) से

कविता को सुनता और समझाता था और यह पूरी रात इस तरीके से बिताया जाएगा।

वह रमजान 29 दिनों के लिए था, और उन्होंने तरविह प्रार्थना (तरविह (अरबी : تراويح, रोमन : तरवी :) के बाद रामदन की 29 रातें बिताईं, जो कि तरावी के रूप में भी अंग्रेजी में प्रस्तुत की गई, अरबी जड़ से प्राप्त होती है और आराम और विश्राम से संबंधित है। तरविह प्रार्थनाएँ विशेष मुस्लिम प्रार्थनाएं हैं जिनमें लंबे हिस्से पढ़ना शामिल है कुरान, साथ ही साथ कई राका (इस्लामी प्रार्थना में शामिल आंदोलन के चक्र) का प्रदर्शन करते हैं।

वे इस्लाम के सुन्नी संप्रदाय के लिए अनन्य हैं।) जब तक कि सहारी (सहर, सुहोर, या सुहूर (अरबी : سحور, रोमनाइज्ड : सुउर, ',' डॉन ',' प्री -डॉन मील ') के समय तक, जिसे भी कहा जाता है), जिसे भी कहा जाता है), को भी कहा जाता है। सहरी, सहरी, या सेहरि (फारसी /उर्दू : क्या रमजान के इस्लामिक माह के दौरान या बाहर भोर होने से पहले, उपवास (आरा) से पहले मुसलमानों द्वारा सुबह जल्दी भोजन किया जाता है। एक फकीर व्यक्तियों में से, अल्लाह और दैनिक पुनरावृत्ति की याद में, साथ ही साथ एंजेलिक अवलोकन के रूप में उनके दिन बीतने लगे।

10. देशी जगह छोड़कर पहाड़ पर रहना

11 अगस्त, 1951 की, क्रांति का दिन था और साथ ही हज़रत के जीवन में कुछ असाधारण भी था। इस दिन, हज़रत ने अपने फैसले के अनुसार, अपने गृहनगर को हमेशा के लिए छोड़ दिया।

और अपने सभी सामानों और संपत्ति को छोड़ने पर और अपने साथ अपनी पत्नी और उसके बेटे, मोहम्मद फखरुद्दीन को ले जाकर, जो उस समय केवल दो महीने का था और उसे पास के एक पहाड़ में स्थानांतरित कर दिया गया था, जिसे माला

गुट्टा के नाम से जाना जाता था। सभी घरेलू सामान और संपत्ति, साथ ही साथ सभी रिश्तेदारों को अल्लाह के रास्ते पर पीछे छोड़ दिया गया था, और यह दृश्य इस मामले में बहुत अजीब था, क्योंकि सभी रिश्तेदारों ने उन्हें यात्रा से प्रतिबंधित करने के बावजूद, हज़रत ने अपने दिन और रातें बिताईं। अपने दृढ़ संकल्प के कारण पहाड़ पर।

उस पर्वत पर, दिन और रात दोनों के दौरान, उन्होंने अल्लाह, रहस्यों में विश्वास में वहां समय बिताया है, और निर्माता और उनके दास के बीच बातचीत हुई थी, जिसे इस मामले में माना जा सकता है।

एक रात पहाड़ पर, चारों तरफ के चारों ओर अंधेरा था, और किसी भी तरफ से कोई आवाज़ नहीं थी। पहाड़ के क्षेत्र में दुनिया के उस हिस्से में पूरी चुप्पी है। और टूटी हुई हालत में एक पुरानी झोपड़ी है। उस झोपड़ी में, हज़रत ने अपने रिश्तेदारों और दुनिया, साथ ही स्रोतों और जीवों को छोड़कर अल्लाह को आत्मसमर्पण कर दिया था, और स्वीकृति और समझौते की मदद से और अल्लाह के विश्वास से अपने निर्माता की उपस्थिति में प्रताड़ित कर रहा था।

सहायता के बिना होने की स्थिति में, उसकी पत्नी मौजूद थी, जैसा कि उसका नवजात पुत्र था, इस मामले में उसकी सहायता करने के लिए। और माँ अपने छोटे से बेटे के साथ हजरत के पास अपनी गोद में बैठी है। लड़के की स्वास्थ्य स्थिति अनिश्चित है। और स्वास्थ्य बिगड़ रहा है, लड़के के हाथ और पैर स्थिर हैं, उसकी आँखें बंद हैं, और एक बढ़ती हुई नाड़ी जमीन की ओर धड़कता है। परिणामस्वरूप, उस स्थान पर हज़रत के छोटे लड़के के लिए जीवन की कोई उम्मीद नहीं थी। यह एक शुरुआत थी। उस लड़के की अचेतन और गतिहीन स्थिति जो उसकी माँ की गोद में थी। उसकी चिंतित

स्थिति के परिणामस्वरूप उसकी माँ की आँखें आँसू के साथ अच्छी तरह से चली गईं।

और मां के पक्ष में, अल्लाह का दास जो अपने निर्माता
के सामने वेश्यावृत्ति में है और जो स्वीकृति और समझौते के साथ -साथ विश्वास के चरणों से गुजर रहा है, और जो इस स्थिति में संलग्न है और वहाँ एक सवाल होगा गुलाम जो लड़के की इलाज की व्यवस्था के बारे में वेश्यावृत्ति में है। और यह जवाब दिया गया कि लड़का मालिक के विवेक पर रखा गया है, और वह या तो लड़के को उसके साथ रख सकता है या उससे दूर ले जा सकता है। उसे इस मामले में। हालाँकि, वह इलाज की व्यवस्था के लिए एक अजनबी की सहायता को स्वीकार नहीं करेगा। यह एक बार फिर से सवाल किया जाता है कि अंतिम संस्कार और दफन व्यवस्था कहाँ से और कैसे बनाया जाएगा यदि लड़का मर जाता है। यह प्रतिक्रिया यह थी कि वह अपने रूमाल का उपयोग कफन के रूप में करेगा और अकेले अंतिम संस्कार की प्रार्थना करें।

फिर उनसे पूछा जाएगा कि आप पृथ्वी और एक कुदाल को खोदने के लिए एक लोहे की छड़ कहां से प्राप्त करने जा रहे हैं। और एक वादा था कि वह कुछ कठोर लकड़ी के साथ नरम जमीन पर एक झील के पास लड़के की कब्र खोदेंगे। हालांकि, वह किसी भी समय इस मामले में किसी से भी सहायता स्वीकार नहीं करेगा।

दुनिया की प्रणाली और समय की शिकायतें

सूफी पुरुषों द्वारा नुकसान की शिकायत करना मना है।

अकेलेपन में, एक पुराने बुद्धिमान व्यक्ति ने मुझे यह बिंदु बताया।

उदासी को नियंत्रित करने के लिए यह अच्छा है और उदासी नहीं दिखाता है।

इस तरीके से, निर्माता और उसके दास के बीच पूछताछ और जवाब देने वाले सत्र थे और रात उस बिंदु पर अपने अंत के पास थी। सुबह टूटने लगी, और अल्लाह के दास, जिन्होंने वेश्यावृत्ति की स्थिति से अपना सिर उठाया था और वह अपने अचेतन, गतिहीन छोटे बच्चे को देखना शुरू कर दिया, और उसने देखा कि उस समय लड़के की आँखें धीरे -धीरे खुल रही थीं। और छोटे लड़के के चेहरे पर जीवन के प्रभाव थे, साथ ही छोटे लड़के के हाथों और पैरों में वापसी की गति भी थी ।

लड़के की स्वास्थ्य की स्थिति में जीवन के प्रभावों को देखते हुए, माँ ने उसे अपनी छाती से छुआ। लड़का माँ का दूध पीने लगा। दूध पीने के बाद, लड़का कुछ क्षणों के लिए पहाड़ क्षेत्र में खेलने लगा।

ट्रस्ट के कारखाने का मालिक अल्लाह स्वयं है।

पहाड़ पर, विभिन्न दूरी पर करीबी और दूर दोनों स्थानों पर छोटी और बड़ी पहाड़ियाँ होंगी।

उन पर्वतीय क्षेत्रों में उनके प्रवास के दौरान, हा ज़्रत कुछ बिंदु पर उनके साथ लोगों से मिलेंगे। फिर, हज़रत कुछ अन्य शिष्यों के साथ एक पहाड़ पर बैठते थे, जो पास के पहाड़ पर बैठे थे और कुछ अन्य शेष व्यक्ति जो पास के एक और पहाड़ी क्षेत्र में बैठे थे, जो उपलब्ध अंतरिक्ष के आधार पर थे। उन बैठकों का मानना होगा कि प्रकृति ने उन्हें दुनिया के बाकी निवासियों से ऊपर ऊंचा कर दिया है और आकाश उनके लिए उन लोगों के लिए एक छाता के रूप में बनाया गया था जो पहाड़ों और पहाड़ी क्षेत्रों पर बैठे थे।

ऐसी परिस्थितियों में, जिस तरह की आवाज और जिसमें हीलिंग पावर है, इस मामले में इसका चमत्कारी प्रभाव दिखाएगा। जीवन के रहस्यों की एक विस्तृत व्याख्या भी होगी, साथ ही साथ ज्ञान और आत्मा का विश्लेषण भी होगा।

और इस मामले में शेख द्वारा विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश की एक बहाव होगी। दुनिया की असमानता की व्याख्या भी होगी। इसके अलावा, माउंटेन प्लेस पर एक प्रश्न और उत्तर सत्र आयोजित किया जाएगा। इस तरह की रुचि और ध्यान के कारण कई घंटे कुछ मिनटों के समय की तरह गुजरेंगे।

यहां तक कि हवा तेज है, लेकिन कौन उसके दीपक को जला रहा है?

अल्लाह ने वास्तविकता के उस व्यक्ति को राजाओं की शैली दी है।

पहाड़ पर हज़रत के रहने के दौरान, उनके प्रेमी पहाड़ पर अपने उपदेशों को सुनने के लिए निकट और दूर के क्षेत्रों से आए थे। और वे इस मामले में उनके शिक्षण और निर्देश से लाभान्वित होंगे। पर्वत सत्र में भाग लेने वाले लोग हज़रत को अपने गाँव में आने के लिए कहते हैं और उनके उपदेश और शिक्षाएँ हैं। क्योंकि हर कोई, विशेष रूप से महिलाएं, अपने धर्मोपदेशों और शिक्षण को सुनने के लिए पहाड़ों पर नहीं आ सकती थी, लोगों के अनुरोध पर, हज़रत ने शिक्षण और निर्देश उद्देश्यों के लिए गांवों का दौरा करना शुरू कर दिया। और उपदेश खत्म करने के बाद, हज़रत पर्वत क्षेत्र में वापस आते थे। लेकिन उनके अभ्यास को लंबे समय तक लागू नहीं किया गया था। क्योंकि यह श्रृंखला का काम एक गाँव से दूसरे गाँव तक और फिर एक तिहाई से चौथे गाँव तक जारी रहा, और यह अभ्यास इस तरह से था कि पहाड़ के बाईं ओर हज़रत के रहने का कोई अभ्यास नहीं था।

11. [illegible]

27 [illegible], 1956 [illegible], [illegible] 40 [illegible], [illegible] 1375 [illegible] 17 [illegible], [illegible], [illegible]

[illegible], [illegible], [illegible] 19 [illegible], 1956 [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible]

12. [illegible]

इस शुरुआती अवधि में, बैठक की शैली और सेटिंग अलग थी। दिन और रात में बैठकें लगातार आयोजित की गईं। यह बैठक एशा की प्रार्थना के बाद शुरू होगी, और यह फजर की प्रार्थना के साथ समाप्त हो जाएगा। इस तरह की रुचि और ध्यान होगा कि रात बीत जाएगी, लेकिन यह शामिल लोगों द्वारा महसूस नहीं किया जाएगा। यह मामला। और दिन में, तेजी से टूटने के बाद, यह शुरू हो जाएगा; यह शाम के भोजन के समय तक समाप्त हो जाएगा, और इसका बड़ा हिस्सा बैठकों में समाप्त हो जाएगा।

जब एक गाँव में एक बैठक शुरू होती है, तो उस गाँव के स्थानीय निवासियों के अलावा दूसरे गांवों के लोग भाग लेंगे। और भोजन की व्यवस्था होगी और अन्य गांवों के लोगों के लिए रहना होगा। बैठक के दौरान, सुबह और शाम को केवल दो भोजन उपलब्ध होंगे। मेनू में कचा खट्टा शामिल होंगे (पर्याप्त पानी में इमली में भिगोएँ। और इस बीच कुछ तिल के साथ कोई भुना हुआ नहीं।) और एक साधारण चावल डिश, जो एक कपड़े पर परोसा जाएगा। उपरोक्त दोनों मेनू आइटम के लिए तिल के साथ भूनने के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी।

बैठकें कई वर्षों की अवधि के लिए रुकावट के बिना
जारी रहेंगी। बैठकों में भाग लेने वाले लोग आते ही आते थे और जाते थे, और वे तब तक रह सकते थे जब तक वे प्रतिबंध या नियंत्रण के बिना प्रसन्न नहीं हो जाते।

उदाहरण के लिए, एक सप्ताह के लिए, दो सप्ताह, या इस अवधि से अधिक। और जो लोग बैठक की अवधि के दौरान हज़रत की कंपनी में रहते थे, वे परिणामस्वरूप थक जाएंगे और उनकी हथेलियां पीले हो जाएंगी। समावेश ओ के कारण f उबला हुआ चावल और कचा खट्टा (पर्याप्त पानी में इमली में भिगोएँ।) और इस बीच इस मामले में कुछ तिल के बीजों के साथ तेल में कोई भुना हुआ नहीं) भोजन में दिन में दो बार भोजन में, बैठकों के शिविर में आगंतुक अपनी जीभ का

स्वाद खो देंगे इस मामले में। और वे अपने शरीर को हल्के और चिकनी के रूप में महसूस करते हैं, और उन सभी पर एक शर्त लगाई जाएगी जो उस समय शेख की बैठकों में भाग लेते हैं।

हज़रत अपने शरीर पर केवल एक प्रकार के कपड़े पहनते थे। वह एक कपड़े की टोपी, शर्ट, और पायजामा (पतलून) और एक रोमाल (एक रूमाल) पहनते थे और उन्होंने अपने पैरों में जूते या स्लीपर नहीं पहने थे, और हज़रत का इस्तेमाल किया अपने पैरों में स्लीपर्स या जूते पहने बिना चलने के लिए, और इस तरह की हालत में बड़ी संख्या में उनके वर्षों का निधन हो गया। जब उसे स्नान करने की आवश्यकता होती है, तो वह गाँव के बाहर स्थित पानी की टंकी, नदी, या नहर में जाएगा। शरीर)। और वह पोशाक को अपने शरीर से हटा देगा, उसे खुद धोएगा, और उसे अपने शरीर पर लूगी के रूप में पहनेगा जब तक कि वह धूप में नहीं सूख गया। और वह अपने शरीर पर बिना किसी कपड़े के नदी के किनारे पर बैठता था । और जो शिष्य उसके साथ जाएगा, वह उसके चारों ओर बैठ जाएगा, और उस समय अल्लाह और उसके अंतिम दूत के बारे में उनके बीच चर्चा होगी। जब हज़रत की पोशाक सूख गई है, तो वह कमर के स्तर से पानी की टंकी में प्रवेश करेगा, स्नान करेगा, पानी के स्रोत से बाहर निकलेगा, और अपने निवास पर लौटने से पहले उसके शरीर पर सूखे और धोए गए कपड़े पहनेंगे।

व्यक्तित्व: उनके शिष्टाचार और आदतों का विवरण यहाँ निम्नानुसार उल्लेख किया गया है:

सभी को महत्व प्रदर्शित करने के लिए

लोग सालों से बहस कर रहे हैं।

हज़रत का चेहरा उज्ज्वल था, और वह उतना ही आकर्षक और अजीब था जितना कि एक लंबा, आनुपातिक, सक्रिय शरीर, स्वास्थ्य में ध्वनि, एक शुद्ध हृदय, एक अच्छा स्वभाव,

ईमानदार, एक शुद्ध शरीर है, चाहे वह यात्रा करे या अपने पूरे जीवन में रुके सादगी का ब्रांड था। और एक व्यक्ति परिणामस्वरूप अपने व्यक्तित्व में बहुत अधिक आकर्षण विकसित करेगा। और अगर वह उसे इस मामले में देखना बंद नहीं करता है क्योंकि उसका दिल इस मामले में संतुष्ट नहीं होगा।

यदि वह चलेगा, तो इस मामले में चलाने के लिए उसके अनुयायियों की आवश्यकता होगी। जब वह बात करेगा, तो ऐसी बातचीत होगी कि ऐसा लगता है कि फूलों की तरह उसकी जीभ से आने वाले शब्द होंगे। यहां तक कि कठिन बातचीत उसकी जीभ से दूर हो जाएगी जब यह कुछ मीठा आता है। और उनकी उपस्थिति में, दुनिया का प्यार और उदासी और दुःख प्रकाश से अंधेरे की तरह बह जाएगा। और कंपनी में रहना स्वर्ग में रहने जैसा होगा।

हज़रत में अल्लाह के आदेशों पर बहुत रुचि है और ध्यान है, और वह निषेध के प्रति घृणा करता है, और अपने प्रत्येक कार्य से, सत्य और अच्छाई की एक झलक होगी। वह अपने वादों को बनाए रखने और पूरी तरह से ईमानदार होने के लिए बहुत ध्यान रखता था, और उसकी बुद्धि का कोई उदाहरण नहीं होगा। और उसके गुस्से पर पूरा नियंत्रण है, साथ ही साथ एक बड़े हाथ से भी। उनके सभी काम, और हज़रत को हर चीज से सीखने की आदत है।

उनका व्यक्तित्व धर्मी था, और उन्हें धार्मिकता और बोल्ड पसंद था, और वह विश्वास और स्वीकृति और समझौते और सामग्री और धन का एक सुंदर संयोजन का नाजुक व्यक्तित्व था, और वह माफी बहुत पसंद करता था। और प्रकट और अंतरतम एक और एक ही थे। और समय पर समय का समय। अर्ली राइजर, बेहद मजाकिया, उच्च स्तर की हिम्मत, ताकि आकाश की ऊंचाई कम दिखाई दे। वह एक व्यक्ति का एक अच्छा उदाहरण था क्योंकि

दुनिया में रहते हुए, वह दोनों दुनिया से दूर था और इसलिए कोई भी उसे जानता था इस मामले में रहस्य।

फज्र प्रार्थना के बाद, हज़रत ड्राइंग रूम में प्रवेश करेंगे, जो आगंतुक उसे वहां देख पाएंगे। हज़रत व्यक्तिगत मामलों पर अच्छी सलाह देंगे। जीवन की वास्तविकताओं के साथ -साथ जीवन के विभिन्न पहलुओं के रहस्यों के बारे में चर्चा होगी। यह क्रोध आदेश की अवहेलना करने के खिलाफ प्रबल होगा, और इस मामले में उसकी छाया होगी अगर अल्लाह के आदेशों का पालन किया जाता है। और प्रदर्शन। जैसे कि उर्दू भाषा में निम्नलिखित दोहे में कहा जाता है, इसका अनुवाद और व्याख्या इस प्रकार है:

उसके चेहरे पर एक दीपक पकड़कर और कहकर

यह देखने के लिए जाँच करें कि कीट छोड़ देता है या यहां आता है।

आधी सदी से अधिक के लिए, उनके जीवन के लिए आमंत्रण के जीवन का अनुमान स्वयं के स्वयं और शुद्धि का संज्ञान है।.और यह वास्तविकता का मुद्दा है। और वास्तविकता के इस निमंत्रण की शैली का उल्लेख यहां किया गया है और जो निम्नलिखित तरीके के अनुसार होगा।

"वफादार फूल में कठिनाई है, लेकिन हरम के लिए प्यार है।"

13.Generorsity: इस मामले में, निस्वार्थता और बलिदान और इनाम और इसके लिए वह दौड़ने का मॉडल था। धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए उनकी वेतन राशि। और उसकी कमाई के शेष wi अपने व्यक्तिगत खर्चों को कवर करने के लिए उपयोग किया जाएगा। नतीजतन, जब उन्होंने अपने रोजगार की शुरुआत के बाद से अपना वेतन प्राप्त किया है, जिसे वह अलग करता है, कुछ राशि और परिवर्तन में परिवर्तित हो

जाता है, और फिर गरीबों को अपने घर लौटने से पहले भिक्षा और दान के रूप में वितरित करता है।

हज़रत के साथ अभी भी यह प्रथा है, जो न केवल पाया जाता है, बल्कि दिन -प्रतिदिन बढ़ता है, और कोई फकीर कभी नहीं देखा गया है कि वह अपने घर से खाली हाथ से वापस आ गया था। यदि हजरत बेहद व्यस्त हैं, तो वह ध्यान देगा। इस मामले में भिखारी की पुकार के लिए और वह अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए अपने घर से फोन करने वाले को वापस कर देगा।

इसके बावजूद, हज़रत उन लोगों को अपनी वित्तीय सहायता के साथ जरूरतमंद लोगों की सहायता करता था, जो उनसे उनके सामने हाथ उठाकर नहीं पूछते थे।

वहाँ कई हजारों जरूरतमंद लोग थे, जो निकट और दूर के स्थानों से संबंधित थे और जो इस मामले में हज़रत की उदारता के हाथ से लाभान्वित थे और उनके दान के काम के सर्कल बहुत चौड़े हैं। वह पोस्टल मनी ऑर्डर सिस्टम का उपयोग करके दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को वित्तीय सहायता भेजते थे। परिणामस्वरूप, मासिक आधार पर, कई हजारों रुपये दान और भिक्षा पर खर्च किए जाएंगे।

जरूरतमंदों और गरीबों को मौद्रिक सहायता प्रदान करना, साथ ही साथ बैठकों और भोजन के साथ -साथ ड्रिकिंग की व्यवस्था करना, वास्तविकता के छात्रों को, हज़रत के नेतृत्व में, रहस्योद्घाटन के ज्ञान के साथ -साथ उनकी छाती से लाभान्वित होने में सक्षम बनाता है। ज्ञान और वित्त की ऐसी उदारता, और इसके लिए सभी क्रेडिट, इस मामले में शेख के समय के लिए जाते हैं।

अपनी आत्मा देने से पहले अल्लाह को पहचानें

यदि आप चैरिटी के शौकीन होना चाहते हैं, तो ओह तस्लिम,

14. अनजाने स्रोत: कुछ दिनों के बाद, जब हज़रत ने अपनी सेवा छोड़ दी और वह अपने पिता की उपस्थिति में था और कुछ अन्य लोग भी वहां मौजूद थे। "इस व्यक्ति ने सेवा छोड़ दी है," उनमें से एक ने हज़रत के पिता को सूचित किया। "आपने सेवा से इस्तीफा दे दिया है, और आपने क्यों छोड़ दिया है?" उनके पिता ने उनसे पूछा। कई बार पूछते हुए, हजरत ने इस मामले में जवाब नहीं दिया, और वह चुपचाप वहां बैठे थे।

थोड़ी देर के बाद, उनके पिता ने उन्हें बताया कि इस रास्ते पर, कुछ लोग कीमिया सीखते थे, आधार धातुओं को सोने में बदल देते थे, और इससे सोना बनाते थे, अपने खर्चों को कवर करने के लिए सोना बेचते थे। इस मामले में, उन्होंने अपना जीवन शांति, अनुरूपता, रहस्यवादी तरीके और दासता में बिताया। और कुछ लोगों के पास एक अदृश्य स्रोत होता है, जिससे वे बिना असफलता के हर दिन एक निश्चित राशि प्राप्त करते हैं। और इस तरह, वे जीवन के अपने दैनिक खर्चों को पूरा करते हैं। और इसलिए वे अल्लाह की दासता के तहत शांति और आराम से अपना जीवन जीते हैं।

जब हज़रत के पिता ने यह सुना, तो उन्होंने पूछा, "क्या आपके पास आपके साथ अदृश्यता का स्रोत है?" यह सुनकर, हज़रत ने कहा, "हां, मेरे पास यह मेरे साथ था।" अदृश्य स्रोत के स्पष्टीकरण के लिए, उन्होंने तेज आवाज में निम्नलिखित दोहे का पाठ किया है:

बहुत से लोग अपने हाथ बढ़ाने की गलती करते हैं।

यदि उनके पास ऐसा नहीं है, तो उनके पास एक अदृश्य स्रोत है।

41

उनके पिता को तब बहुत खुशी हुई जब उन्हें यह पता चला और उन्होंने प्रशंसा की और उनकी प्रशंसा करते हुए कहा, "यह एक ऐसी स्थिति है जो कम लोगों के साथ मिलेगी।"

वास्तविकता को शब्दों में रखना मुश्किल है।

लेकिन वास्तविकता बात के रंग में पाई जाती है।

एक दीपक की आत्मा छाती में चमकता है।

लेकिन सारी बात बताती है कि यह पर्याप्त है।

15. जीवनी सारांश, वर्षगांठ, और अंतिम विश्राम स्थान विवरण।

23 अगस्त, 1916 को, हदरात शेख मोहिउद्दीन मेरन चिस्टी क्वाडरी का जन्म येल्डूर्ति, मेडक जिले में एक अमीर परिवार से हुआ था। उनके पिता का नाम मोहम्मद कासिम है, और उनकी मां का नाम अमना है।

प्रारंभिक शिक्षा

उन्होंने द विलेज स्कूल में अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी की और फिर हैदराबाद के दारुल उलूम हाई स्कूल में अपनी पढ़ाई जारी रखी, जहां उन्होंने सातवीं कक्षा तक पढ़ाई की।

फिर उन्होंने साल 1941 में दिल्ली सेंटर से पहले डिवीजन में भेद के साथ पंजाब मुंशी परीक्षा उत्तीर्ण की।

उन्हें अपने जीवन के पहले 25 वर्षों के दौरान असाधारण त्रासदियों से पारित किया गया था। 1936-1939 के वर्षों में, उनकी शादी दो बार हुई थी, लेकिन उनकी दोनों पत्नियों की इस छोटी सी अवधि के दौरान मृत्यु हो गई।

उपरोक्त अवधि के दौरान, उन्होंने अचानक अपना घर छोड़ दिया और गुलबर्गा सिटी की यात्रा की, जहां उन्होंने उस समय के पवित्र व्यक्तित्व से मुलाकात की, हज़रत शाह अब्दुल क्वाडर चिस्टी क्वाडर बिजापुरी, और उनकी प्रतिज्ञा उनके लिए बनाई, इसलिए उपरोक्त शेख उनके समय के रूप में बन रहा था गुलबर्गा में आध्यात्मिक मास्टर, और बाद में वह अपने आध्यात्मिक गुरु की अनुमति प्राप्त करने पर अपने मूल स्थान पर वापस आ रहा था।

उन्हें अपना सारा समय पूजा और रहस्यमय अभ्यासों में बिताने के लिए इस्तेमाल किया गया था, और इस दौरान उनकी शादी तीसरी बार हुई थी। वर्ष 1943 में, उन्हें गुलबर्गा में सबदारी (गवर्नर) कार्यालय में क्लर्क के रूप में नियुक्त किया गया था, जहां से उन्हें वर्ष 1947 में हैदराबाद में मुख्यालय के साथ मेडक सुबादरी कार्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया था, लेकिन हैदराबाद पहुंचने पर, उन्होंने इस पद से इस्तीफा दे दिया।

बाद में, वह "सौम बांध" (अपने जीवन के सभी दिनों का उपवास) में अपने प्रयासों की शुरुआत कर रहा था, और वह दिन और रात के दौरान अल्लाह की पूजा और रहस्यमय अभ्यास में अपने प्रयासों को शुरू कर रहा था।

बाद में, वह अपने गाँव येल्डूर्ति के लिए वापस आ गया कुछ समय, और वह अपनी पत्नी और अपने छोटे बच्चे के साथ मलालना गुट्टा की प्रसिद्ध पहाड़ियों पर डेरा डाले हुए थे, और वह कुछ समय के लिए वहां रह रहे थे। पहाड़ी पर अपने प्रवास के दौरान, बड़ी संख्या में उनके शिष्यों और

भक्तों ने उन्हें वहां जाना और उनसे बहुत लाभान्वित हुए।

बाद में, कई स्थानों पर आने और रहने के दौरान, उन्होंने हैदराबाद शहर में प्रवेश किया। वह अपने शिष्यों और भक्तों द्वारा राजी होने के बाद स्थायी रूप से हैदराबाद चले गए।

मोइनबाग स्ट्रीट पर उनका निवास उनके उपदेश और निर्देश का केंद्र बन गया, जहां उन्होंने शिष्यों और भक्तों की बैठकों को सफलतापूर्वक संबोधित किया और शिक्षाओं और इस्लामी धर्म की उपदेश के बारे में भक्तों को संबोधित किया; यह देखा गया कि उनकी बैठकों में, बड़ी संख्या में शिष्यों और भक्तों, न केवल हैदराबाद से बल्कि कई जिलों से भी, बैठकों में शामिल हुए, और बड़ी संख्या में शिष्य और भक्त उनकी शिक्षाओं और इस्लामी के प्रचार से प्रभावित थे धर्म।

उन्होंने इस नश्वर दुनिया को 1934 में रबी थानी के 1934 में 97 वर्ष की आयु में अपनी बेटी के घर पर सुबह (फज्र) प्रार्थना के समय बीमारी की एक छोटी अवधि के दौरान छोड़ दिया। उन्हें ज़ेनाब मस्जिद के पास हैदराबाद की बुंदाल्गुदा स्ट्रीट में आराम करने के लिए रखा गया था।

16.PART दो

उनके पत्रों से अर्क

1. अल्लाह को फिर से बनाना सरल है, लेकिन दृढ़ होना मुश्किल है।

उन्होंने छात्रों को इस तरह से सलाह दी है कि यह वास्तव में "अल्लाह के लिए पुनरावृत्ति" का मामला है - एक भाग्यशाली मामला। हालांकि, इस मामले में एक शर्त है कि

अल्लाह को फिर से बनाना एक आसान बात है, लेकिन इस पैटर्न को एक स्थायी आधार पर दृढ़ता बनाए रखना मुश्किल है, जो इस मामले में पूर्णता की बात है।

भ्रामक मानव जाति और शैतानी आशंकाओं के कारण जो प्रत्येक और हर कदम पर आदमी को गुमराह करते हैं। जैसे कि ऐसी सभी समस्याओं से दूर रखने के लिए, जो इस तरह से वास्तविकता को समझे बिना संभव नहीं है।

इसलिए, यदि पवित्र व्यक्तियों की खोज की गई कंपनी और पवित्र व्यक्तियों की जीवनी पुस्तकों के अध्ययन की खोज की जाती है, तो इस मार्ग पर दृढ़ होना संभव है।

2. दैनिक आधार पर पवित्र लोगों की परिस्थितियों को फिर से बनाना

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है कि यह कैसे पर्याप्त है कि जीवन का उद्देश्य अल्लाह की सेवा करना है। इसका मतलब है कि अल्लाह और उसके पैगंबर की आज्ञाकारिता में हमारा जीवन बिताना। और 'तदकिर्तल औलिया की पुस्तक' इस कारण से आवश्यक है। बहुत कम से कम, उनकी शर्तों पर एक पवित्र व्यक्ति की पुस्तकों के कुछ पृष्ठों का अध्ययन करें, और इसलिए शौक में वृद्धि, विश्वास में वृद्धि, और एक आने वाली सोच में दृढ़ता का विचार। संक्षेप में, एक हजार फायदे हो सकते हैं। यदि आप पढ़ने में असमर्थ हैं, तो पाठक के साथ बैठें और इसे सुनें, जो एक जरूरी है, और इससे एक हजार लाभ हो सकते हैं। अल्लाह हम सभी को मार्गदर्शन दे। (तथास्तु)।

3. दासता में लगे रहना और अल्लाह की इच्छा से इस्तीफा देना

उन्होंने छात्रों को इस तरह से सलाह दी है कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि अगर कोई व्यक्ति अल्लाह को दासता में अपना जीवन बिताता है और अल्लाह से प्रार्थना करता है, तो उसकी प्रार्थना को बिना किसी संदेह के अल्लाह के दरबार में स्वीकार कर लिया जाएगा। उस पर दया की जाएगी। हमें समझ में आया है कि चीजें हमारी इच्छाओं और इच्छाओं के अनुसार नहीं हो रही हैं। इसलिए अल्लाह हमारी प्रार्थनाओं को स्वीकार नहीं कर रहा है, और आदमी एक अंधे व्यक्ति की तरह है।

प्रार्थनाओं की स्वीकृति को समझने के लिए उनके पास दृष्टि की कमी थी। लेकिन मनुष्य के लिए, जो आवश्यक है, वह आवश्यक है और इस कारण से अल्लाह द्वारा स्वीकार किया जाएगा, और सलाह है कि दासता के साथ -साथ अल्लाह की इच्छा से इस्तीफा दे दी जानी.Allah हम सभी कृतज्ञता (आमीन) प्रदान कर सकते हैं।

4. सफलता का रहस्य

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है, यह बताते हुए कि एक आदमी की भलाई का रहस्य उनकी दासता में पाया जाता है। हालांकि, इस मामले में इस मामले में धैर्य और दृढ़ता की स्थिति है, और इनके बिना, इस मामले में दासता विफल हो जाएगी।

तो प्रत्येक और हर स्थिति में, चाहे कठिनाई या आराम में, आदमी को अपनी दासता के काम में लापरवाह नहीं होना चाहिए। अल्लाह हम सभी को लापरवाही से बचाए। (तथास्तु)

5. पवित्र लोगों की परिस्थितियां व्यावहारिक कुरानिक कर्म हैं।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है कि अल्लाह के मार्ग पर धैर्य और दृढ़ता की आवश्यकता है, और यह कि एक उच्च-ग्रेड स्रोत है, जो पवित्र लोगों की जीवनी का अध्ययन है। अल्लाह के पवित्र व्यक्तियों की परिस्थितियों को सुनकर और सुनना उत्कृष्ट सलाह है। और उपदेश जारी है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह काम भाग्यशाली और धार्मिक व्यक्तियों का है।

पवित्र लोगों की परिस्थितियां व्यावहारिक पवित्र ग्रंथों के अनुरूप हैं। इन पुस्तकों का अध्ययन करने के परिणामस्वरूप विश्वास और शौक में वृद्धि होगी।

फिर हम दुनिया के भ्रामक व्यापारिक व्यवहारों के लिए एक नापसंदगी विकसित करेंगे, और मार्गदर्शन के सही मार्ग का पालन करने के लिए हमारा शौक बढ़ेगा।

संक्षेप में, एक हजार फायदे हो सकते हैं। इसलिए पुस्तकों का अध्ययन होना चाहिए, भले ही यह पढ़ने की एक छोटी सी डिग्री हो, लेकिन दैनिक आधार पर पढ़ना जारी रखें। अल्लाह हमें अच्छी स्थिति में रखे। (तथास्तु)

6. रहस्यवादी तरीका और इसकी गति

उन्होंने छात्र को सलाह दी कि वे बीच में रास्ते में गति न बढ़ाएं और गलतफहमी का पालन करें, लेकिन दृढ़ता बनाए रखने के लिए, इस पैटर्न को गंतव्य तक पहुंचने दें। तेजी से और फिर रोकना भ्रामक है।

अल्लाह मालिक है, और यह प्रार्थना की जाती है कि अल्लाह हम सभी को पवित्र मार्गदर्शन में रखें और अल्लाह हमें धीरे -धीरे हमारे गंतव्य के लिए मार्गदर्शन करें।
(आमीन)

7.allah केवल एक सहायक है

"भाई, देखिए कि क्या लाखों कठिनाइयाँ हैं, लेकिन अल्लाह और उसके पैगंबर की दासता से लापरवाही की आवश्यकता नहीं है," उन्होंने छात्रों को सलाह दी।

अल्लाह और उसके पैगंबर की आज्ञाकारिता से क्या मतलब है, यह दोनों दुनिया में सफलता का एक उच्च-ग्रेड स्रोत है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अल्लाह और उसके पैगंबर वास्तविक सहायक हैं, सिवाय अल्लाह और उसके पैगंबर सभी बेकार हैं। अल्लाह हमें अपनी दासता में एक भी पल के लिए भी लापरवाह नहीं होने का मार्गदर्शन करे। (आमीन)।

और हर मामले में और हर काम में, हमें अल्लाह में पूर्ण विश्वास और विश्वास होना चाहिए। यदि हम स्रोतों पर अपना भरोसा रखते हैं, तो वे हमें निराश करेंगे। "मुस्लिम संन्यासी और रहस्यवादी (शेख फरीद एल्डिन अटार की तदकिरटल औलिया) के बारे में किताबें पढ़ना" हमारी सभी कठिनाइयों और समस्याओं में हमारी मदद करेगा। यह हमारे विश्वास को बढ़ाएगा, और हम साहस पा सकते हैं। इसलिए शेख फरीद एल्डिन अटार द्वारा तदखर्टल औलिया पुस्तक का अध्ययन न छोड़ें।

8. एक पवित्र व्यक्तियों की कंपनी सबसे अच्छी और सबसे कुलीन है।

उन्होंने छात्र को सलाह दी कि पवित्र व्यक्तियों और उनकी कंपनी की बातचीत सबसे अच्छी है, और वह सही था। अल्लाह हमें दिन -रात पापों से दूर रखें और हमें पवित्र लोगों की परिस्थितियों का अध्ययन करने के लिए ज्ञान दे। (तथास्तु)

9. भगवान की याद का महत्व

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है कि, "भाइयों, हमारा उद्देश्य अल्लाह की याद में संलग्न होना और पैगंबर का पालन करना है, इसलिए पापों से दूर रखने से हमें अल्लाह की याद में दिन -रात संलग्न करना होगा। हमें बैठने, खड़े होने या चलने के दौरान अल्लाह की याद को कभी नहीं भूलना चाहिए। लेकिन प्रत्येक काम करके, हम अल्लाह की याद में संलग्न हो सकते हैं। वास्तव में ज़िकर (अल्लाह की याद) क्या है? यह हमारा व्यापार है। ज़िकर (अल्लाह की याद) क्या है? यह दूसरी दुनिया की यात्रा का प्रावधान है। नतीजतन, हमें अल्लाह के अपने पुनरावृत्ति में कभी भी लापरवाह नहीं होना चाहिए। अल्लाह हमें अच्छा रखे। (तथास्तु)

10.allah उन लोगों की सराहना करता है जो आज्ञाकारिता को महत्व देते हैं

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है कि "उन्होंने अपने पोस्ट कार्ड ठीक से प्राप्त किए हैं, और यह केवल आपके प्यार का प्रमाण है, साथ ही साथ अल्लाह और उनके दूत के साथ आपके संबंध का प्रमाण भी है।" एक शक के बिना, अल्लाह उन लोगों का पक्षधर है जो आज्ञाकारिता की सराहना करते हैं और मानते हैं।

हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य अल्लाह की सेवा करना है। जो कि दासता से ऊंचा हो जाते हैं, बिना किसी संदेह के, भाग्यशाली और भाग्यशाली लोगों के हैं। अल्लाह सही रास्ते पर धैर्य और दृढ़ता प्रदान करता है। (आमीन)। यह हम सभी के लिए सबसे अच्छी प्रार्थना है।

11. दासता और जीवन

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है कि हमारे जीवन की निर्भरता और निर्भरता केवल दासता पर है। जो लोग अल्लाह के दास नहीं हैं, उन्हें भी अस्वीकार कर दिया जाता है। अल्लाह हमें लापरवाही से, समृद्धि की स्थिति में

सुरक्षित रखता है, और हमें जीवन का उद्देश्य प्रदान करता है। (तथास्तु)

12. गुलामी क्या है?

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है कि "इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे व्यक्ति भाग्यशाली हैं और सफल हैं यदि वे गुलामी में संलग्न हैं।" गुलामी क्या है? उच्च-ग्रेड स्रोत और सौभाग्य का सबसे अच्छा स्रोत दो दुनिया में हमारा कल्याण है। दासता से, एक आदमी को सम्मान, संतुष्टि और आराम मिल सकता है। जो लोग गुलामी से मुक्त हैं, वे दुर्भाग्यपूर्ण लोग हैं। अल्लाह हमें हमेशा के लिए पापों से दूर रखें, और उसने हमें प्रार्थना और दमन करने की सलाह दी है, साथ ही साथ व्यापक रूप से संलग्न हैं। (आमीन)। कुरान की पवित्र पुस्तक में पुनरावृत्ति के बारे में बहुत सलाह है।

संक्षेप में, एक पुनरावृत्ति क्या है? यह एक और दुनिया की यात्रा का प्रावधान है। परिणामस्वरूप, यह पुनरावृत्ति के लिए आवश्यक है, और पुनरावृत्ति में कोई कठिनाई नहीं है। परिणामस्वरूप, इस मामले में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए, जैसा कि पुनरावृत्ति में कहा गया है।

13. अल्लाह के वादों में कोई निराशा नहीं है।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है कि एक आदमी को अपनी क्षमता के अनुसार अल्लाह की पूजा में संलग्न होना चाहिए और अल्लाह से निराश नहीं होना चाहिए। अल्लाह से निराशा भी एक धोखे की है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अल्लाह का प्यार अपने दासों के लिए 70 से अधिक माताओं से अधिक है। इस तरह के वादों के बाद, निराशा बहुत बुरी बात है। यदि आप रोना चाहते हैं, तो अपने पापों और

लापरवाही के लिए रोएं। लेकिन कभी भी आपको अल्लाह की दया से निराश न होने दें। आदेशों के प्रकाश में आदेशों का पालन करके, हमें अल्लाह की दया के लिए अच्छी उम्मीद है।

14. पढ़ने या लिखने की कोई आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने छात्रों को सलाह देते हुए कहा, "भाई, यदि आप शिक्षित नहीं हैं, तो कोई समस्या नहीं है।" जब आप एक शिष्य बन जाते हैं, तो आपको हर समय पाप से परहेज करना होगा। यदि अल्लाह की याद के लिए कोई सलाह है, Le जबकि खड़े, बैठे, या चलना। यदि अल्लाह विल्स, उसके लिए उपलब्ध मदद होगी।

15. शिष्य को क्या करने की उम्मीद है?

"भाई, देखिए कि अल्लाह की याद में संलग्न होने के लिए दिन -रात पापों से दूर रहने के लिए और पाप करने के लिए और जो कि एक होना चाहिए," उन्होंने छात्रों को सलाह दी। और, यदि संभव हो तो, पवित्र लोगों के साथ बिताने के लिए समय दें और वास्तविकता के अर्थ पर विचार करें। भगवान उसे खाड़ी में रखें!

यदि ऐसा कोई अवसर नहीं है, तो पाप को हर कीमत पर टाला जाना चाहिए। और किसी भी हालत में चलने, खड़े होने और बैठने के लिए दिन -रात को फिर से शुरू करने के लिए, अल्लाह के पुनरावृत्ति की कोई अनदेखी नहीं होनी चाहिए।

वह व्यक्ति जो अल्लाह के स्मरण में सदा के आधार पर संलग्न होगा, उसे अल्लाह का व्यक्ति कहा जाता है। यदि हम अल्लाह की याद में संलग्न हैं, तो अल्लाह को भी हमारे लिए याद होगा। यदि कोई अल्लाह का स्मरण करता है, तो अल्लाह भी हमें एक पुनरावृत्ति करेगा। अल्लाह की किसी भी परिस्थिति में अल्लाह को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

व्यावसायिक व्यवहार में संलग्न होने के दौरान, हम अल्लाह की याद में संलग्न हो सकते हैं। अल्लाह की खातिर अल्लाह के स्मरण को मत भूलना। अल्लाह विल्स, आपके उद्देश्य और उद्देश्य की पूर्ति होगी। अल्लाह हमें पुनरावृत्ति में संलग्न होने और मार्गदर्शन (आमीन) प्रदान करने की इच्छा प्रदान करे।

16. हमारा परिणाम हमारे संलग्नक के अनुसार
होगा

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "यदि हमारे जीवन को अल्लाह की याद से गुजरना है, और अल्लाह की दासता है, तो प्रत्येक व्यक्ति को एक वस्तु प्राप्त होती है।"

अल्लाह हमें ऐसा काम करने के लिए दिव्य मदद दे। (तथास्तु)। जिन लोगों ने इस तरह की खोज में अपना जीवन बिताया है, वे खुद को ऐसी परिस्थितियों में पाएंगे। अल्लाह ने दया की। (तथास्तु)

17. अल्लाह के रास्ते पर कठिनाई कृतज्ञता है

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है कि अल्लाह के रास्ते में कठिनाई आराम है। और ऐसा धन है कि यह हमें अगली दुनिया में फॉलो करेगा। दुनिया में, इस या किसी भी धन से अधिक अनुग्रह नहीं है। अल्लाह इस तरह के धन को प्रदान करे। (तथास्तु)

18. अल्लाह का स्मरण हमारा उद्धार है

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है कि यह अल्लाह की याद में हमारे जीवन को बिताने के लिए पर्याप्त है, और फिर हमारे उद्देश्य पूरा हो जाएगा। अल्लाह हमें बुरी आदतों और गुमराह सोच से दूर रखें। (आमीन)।

नतीजतन, हमें अल्लाह को याद रखना चाहिए और पवित्र लोगों की स्थिति से दूर रखने वाली स्थितियों से बचने से नहीं बचना चाहिए। अल्लाह हमें सही रास्ते का पालन करने में मदद करे।

19. हमें पवित्र स्थानों पर कब जाना है?

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है कि "यदि आपके पास समय, क्षमता है, और फिर पवित्र स्थानों पर जाने का आदेश है।" और कठिनाई का सामना करना पड़ता है, कोई आदेश नहीं है, और आपको अपनी निर्भरता को परेशानी नहीं देनी चाहिए। इसलिए अगर यात्रा करने का कोई मौका नहीं है, तो उसे दुखी नहीं होना चाहिए। हमेशा भगवान की इच्छा से इस्तीफा दे दिया जाए और अल्लाह हमें अच्छी स्थिति में रखे। (आमीन)

20. मोमिन का काम (एक आस्तिक)

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है कि "मोमिन का एकमात्र काम अल्लाह और उनके पैगंबर का आह्वान है, और इसके अलावा, इस मामले में कुछ भी नहीं है।" इसमें कोई संदेह नहीं है कि अल्लाह दया दिखाता है और अपने दासों की मदद करता है। लेकिन हमें भरोसा नहीं है।

इसलिए हमेशा अल्लाह और उसके पैगंबर की आज्ञाकारिता
की अज्ञानता नहीं होनी चाहिए। अल्लाह हमें अच्छा रखें और हमें लापरवाही से सुरक्षित रखें। (तथास्तु)

21. सही रास्ता और धैर्य

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है, "भाई, सही रास्ते पर कठिनाई है, और यह है कि जीवन के समय में इसका पालन करना है।" अल्लाह हमें गुमराह से दूर रखें और हमारे जीवन के लिए एक सुखद अंत हो। (आमीन)।

22. समय का महत्व

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है कि "वह समय जो अल्लाह के स्मरण में और पवित्र व्यक्तियों की याद में बिताया गया है, इसमें कोई संदेह नहीं है, जो महत्वपूर्ण है।" अल्लाह हम सभी का मार्गदर्शन करे ताकि हम ऐसे मामलों पर अपना जीवन बिता सकें। (तथास्तु)

23. हज़रत की कृतज्ञता

उन्होंने छात्रों को बताया है कि वह "आपको सूचित करते हुए बहुत खुश हैं कि मुझे आपका पोस्ट कार्ड मिला है और बोधन में आने में मेरे लिए कोई कठिनाई नहीं थी।" तो, इसके बारे में चिंता मत करो। लेकिन मैं आप सभी से मिलकर खुश हूं। अल्लाह हम सभी को दासता में अपना जीवन बिताने की सलाह दे। (तथास्तु)

24. सभी मानवता निर्माता की रचना है।

उन्होंने छात्रों को सलाह देते हुए कहा, "अब बारिश गिर रही है।" और मौसम ठंडा है। अल्लाह से अनुग्रह और एहसान है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सभी मानव जाति अपनी दया और दया के लिए निर्माता पर निर्भर हैं। और उसके अलावा, कोई भी ऐसा नहीं है जो हमें अपनी कठिनाइयों से दूर रख सके।

इसलिए हमें उसे और हर हालत में याद रखना होगा और उसे कॉल करना होगा, जो मुस्लिम (एक आस्तिक) व्यक्ति का काम है। अल्लाह हमें लापरवाही से दूर रखें। (तथास्तु)

25. भाग्यशाली व्यक्ति कौन है?

“मेरे पास WR है Itten पुस्तक के अध्ययन के बारे में ita tadhkirtal auliya ’और आशा है कि सभी इसे पढ़ रहे हैं; कई लाभ हैं, और मेरा व्यक्तिगत अनुभव भी है, "उन्होंने छात्रों को सलाह दी।

एक शक के बिना, जो लोग अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करने में लगे हुए हैं, वे भाग्यशाली हैं।

26.ल्लाह सस्टेनर और दयालु दोनों हैं।

"भाइयों, कोई संदेह नहीं है कि अल्लाह स्थिर और दयालु है," उन्होंने छात्रों को सलाह दी। और जो बिना असफलता के सभी के लिए भोजन प्रदान करते हैं। लेकिन हमें उस पर भरोसा करना होगा, जो उचित है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह एक वास्तविक निरंतरता है। उससे प्रत्याशा है। कोई शक नहीं कि अल्लाह हमारी कठिनाइयों को साफ कर देगा। अल्लाह हम सभी को अच्छा रखे। (तथास्तु)

27. पैगंबर के कार्य और आदेश

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है कि "मेरे दिमाग में सोच रही है कि मुझे सभी कार्यों में भाग लेने से बचना चाहिए क्योंकि ज्ञान बैठकें अनिवार्य हैं और ये सुपररोगेटरी हैं।"

और इसलिए यह अनिवार्य को पूरा करने के लिए होना चाहिए। तो अल्लाह हम सभी को लापरवाही से रख सकता है। (तथास्तु)

28. जीवन की आत्मा गुलामी है

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है, "गुलामी क्या है?" और जो जीवन की आत्मा है, और जो लोग गुलामी में लापरवाह हैं,

वे मृत हैं। हमें दासता से दूर नहीं रहना चाहिए। अल्लाह हम सभी को अच्छा रखे। (तथास्तु)

29. पैगंबर का विवाह और आदेश

"आपको बधाई है," उन्होंने छात्रों को सलाह दी। यह मेरी बात है कि आप दोनों प्यार में रहते हैं और अपने बुजुर्गों की सेवा करते हैं, और आज्ञाकारिता में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। और हमारी भलाई बड़ों और वरिष्ठ व्यक्तियों के दमन में पाई जाती है, जो हमारी बड़ी सफलता का स्रोत है। अल्लाह हमें लापरवाही से दूर रखता है। (तथास्तु)

30. रमजान के महीने का महत्व

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है कि "रमजान का महीना आ गया है, और रमजान के महीने में उपवास के इनाम के अलावा सभी अच्छे कार्यों के लिए इनाम है, जिसके लिए अल्लाह कहता है कि" वह खुद से इनाम देगा। " हमें इस तरह की कार्रवाई से वंचित करें। (आमीन)। इसलिए हमारा जीवन अल्लाह और उसके पैगंबर की आज्ञाकारिता में बिताया जा सकता है, और फिर इस मामले में हमारी सफलता होगी।

31. दासता और beseeching

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है कि अल्लाह की कृपा और पक्ष को छोड़कर, हमारा जीवन असंभव है। इसलिए हमें अल्लाह की दासता में और उसके लिए हमारे दमन में दिन -रात संलग्न करना होगा। यह हमारे अपने अच्छे के लिए है। अल्लाह हम सभी पर दया करे और हमारी कठिनाइयों को दूर करे। (तथास्तु)

32.ल्लाह की कृपा उपलब्ध है।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है कि "हमारी तरफ बहुत बारिश हो रही है।" पानी के टैंक में पानी होता है। इसलिए अल्लाह की उपलब्ध अनुग्रह है। लेकिन हमसे अल्लाह की दासता में लापरवाही है।

33. धोखे क्या है, और लापरवाही क्या है?

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है, "ओह अल्लाह, इस रास्ते पर हमारे जीवन के अंत तक हम सभी को रखें और हमारे जीवन के लिए एक सुखद अंत है" (आमीन)। "ओह, भाई, इस रास्ते पर, लापरवाही हर कदम पर पाई जा सकती है।" अच्छे लोग गलत रास्ते पर चल रहे हैं। भ्रामक क्या है? आज्ञाओं के खिलाफ काम। लापरवाही क्या है? व्यापक और व्यापक लालच और वासना। "अल्लाह हमें ऐसी विशेषताओं से दूर रखे।" (तथास्तु)

34. सफलता का उच्च-ग्रेड स्रोत

उन्होंने छात्रों को सलाह दी है कि "दोनों दुनिया में सफलता का उच्च-ग्रेड स्रोत अपने जीवन को पापों से दूर रखने और अपने व्यावसायिक व्यवहार में अल्लाह को नहीं भूलना है।" इसलिए अल्लाह हम सभी को आशीर्वाद देता है। (तथास्तु)

35. भगवान की इच्छा के अनुसार जीते हैं,

"भाई, भगवान की इच्छा से इस्तीफा देने की शर्त में रहते हैं," उन्होंने छात्रों को सलाह दी। इसके लिए, कोई रास्ता नहीं है। इसलिए मनुष्य को धन्यवाद और धैर्य की स्थिति में रहना है, जो हमारी भलाई के लिए अनुकूल है। और

यह दोनों दुनिया में सफलता और मौन की स्थिति में अल्लाह की याद दोनों में सफलता मिलेगी, जो अच्छा है। और, यदि संभव हो तो, अल्लाह के पवित्र लोगों की किताबें पढ़ें। अल्लाह हमें लापरवाही से सुरक्षित रखे। (तथास्तु)

36. जो लोग ज्ञान और कार्रवाई में श्रेष्ठ हैं।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "जिन लोगों के पास सही कार्रवाई है, इसलिए उनका ज्ञान सही होगा, और अल्लाह और उनके पैगंबर उनकी मदद करेंगे।" इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं है कि ऐसे लोग भाग्यशाली और पवित्र हैं, क्योंकि वे सांसारिक से मुक्त हैं पाप और अपना जीवन अल्लाह की याद में बिताते हैं। इस दुनिया में अपने जीवन को और इसके बाद अच्छा होगा। अल्लाह हमें गुमराह और लापरवाही से बचाए। (तथास्तु)

37. अल्लाह की दया आपको विफल न होने दें।

"अल्लाह की दया और उसकी कृपा से निराश मत करो।" उन्होंने छात्रों को सलाह दी। ज्ञान की स्थिति को आज्ञा के प्रकाश में प्रयासों का पालन करके परिभाषित किया गया है। लेकिन कभी भी अल्लाह की कृपा से खुद को निराश न करें। अल्लाह सही रास्ते पर हमारी मदद करे। (तथास्तु)

38. छात्र को सलाह

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "ओ केयर ओ" एफ अल्लाह की याद और, यदि संभव हो तो, अल्लाह के पवित्र व्यक्तियों की जीवनी पुस्तकों को पढ़ें, जो अच्छी पूजा भी है। "" अल्लाह हमारे जीवन के लिए एक सुखद अंत हो सकता है "(आमीन)।

39. पुनरावृत्ति और स्वास्थ्य

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "आपके स्वास्थ्य और प्रकृति के अनुसार, अल्लाह की याद रखना अच्छा है।" इसलिए अल्लाह की याद को मत भूलना। इसलिए हमेशा अल्लाह के स्मरण की देखभाल करें। अल्लाह हम सभी को दोनों दुनिया में आशीर्वाद दे। (तथास्तु)

40. युवा अवधि और गुलामी का शौक

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "युवा काल में, अल्लाह और उनके पैगंबर के बारे में सोचें, जो हमारे लिए भाग्यशाली है।" तो अल्लाह, हमें हमारे जीवन के अंत तक (आमीन) तक सही रास्ते पर रखें, और यह सबसे अच्छा प्रकार का दमन है।

41. पुस्तक का महत्व 'तदकिरटल औलिया'

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "तदिरटल औलिया पुस्तक की प्रस्तावना को पढ़ने की आवश्यकता है।"

हालाँकि, पहले पन्नों से tadhkiratal auliya ’पुस्तक पढ़ना शुरू करें; 'तदकिरटल औलिया' के प्रत्येक शब्द को एक पवित्र व्यक्ति द्वारा कहा जाता है, और यह अल्लाह की पवित्र पुस्तक, कुरान की तुलना में कम पवित्र नहीं है। शर्तें और घटनाएं जो पढ़ने और सुनने के लिए महत्वपूर्ण हैं। अल्लाह हमें उनमें से शामिल करे और हमें उनसे दूर ले जाऊं। (तथास्तु)

42. हमारे कर्मों का परिणाम

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "हैदराबाद में एक अजीब गड़बड़ी है।" हर कोई असहज और परेशान महसूस कर रहा है। कोई भी आरामदायक स्थिति में नहीं है। यह सब अल्लाह का गुस्सा है। यह हमारे कार्यों का परिणाम है। इसलिए अल्लाह हम सभी को ध्यान देने के लिए निर्देशित करता है और कमांड के अनुसार हमारे व्यावसायिक लेनदेन को निर्देशित करता है। (तथास्तु)

43. ज्ञान क्या है, और क्या कार्रवाई है?

"अल्लाह, अपने पैगंबर की खातिर, उन्हें ज्ञान की वास्तविकता और पापों (आमीन) से बचने की आवश्यकता के बारे में समझ प्रदान करें।" उन्होंने छात्रों से कहा और यह केवल जीवन में हमारा उद्देश्य है, और इसमें दोनों दुनिया के लिए सफलता है। इसके अलावा, अगर हम आकाश में उड़ते हैं तो कोई परिणाम नहीं है।

हालाँकि, यह शैतान का काम है। अल्लाह हमें ऐसे सभी ज्ञान और कार्रवाई (आमीन) प्रदान करता है।

44. हमारे सहायक अल्लाह और उसके पैगंबर हैं।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "अल्लाह और उनके पैगंबर को छोड़कर, कोई नहीं है।" हमारी विधि दिन और रात के सभी घंटों में अपनी आज्ञाओं का पालन करना है। दोनों दुनिया में हमारी सफलता और लक्ष्य अल्लाह की कृपा और पैगंबर के दान के कारण हैं। अल्लाह हमें लापरवाही से दूर रखता है। (तथास्तु)

45. अल्लाह की कृपा और दया

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि अल्लाह, उनकी इच्छा के अनुसार, किसी को भी अनुग्रह प्रदान करेगा। एक शक के

बिना, यह सही है, और अब जब प्रकृति ने हमें शांति और आराम प्रदान किया है, तो हमारा काम हमारे जीवन के बाकी हिस्सों को याद करने और अल्लाह की पूजा करने के साथ -साथ पवित्र लोगों के जीवन का अध्ययन करने के लिए होना चाहिए। और आशीर्वाद भेजें, प्रार्थनाएँ करें, अल्लाह को दबाएं, और उसमें अपना जीवन बिताएं, जो हमारे लिए जरूरी है। अल्लाह हमें ऐसे सभी मार्गदर्शन (आमीन) प्रदान करे।

46. अल्लाह की याद में शांति और आराम है।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "डाक कार्ड उनके द्वारा ठीक से प्राप्त किए जा रहे हैं, और विवरण जानने पर, वह संतुष्ट हैं।" लेकिन अल्लाह की याद में और पैगंबर की आज्ञाकारिता में बहुत शांति और आराम है। गुलामी और अल्लाह को याद करने के अलावा संतुष्टि का कोई अन्य स्रोत नहीं है।

इसलिए अल्लाह हमें सभी अनुग्रह प्रदान करता है और हमारी दासता (आमीन) में लापरवाह नहीं है।

47.to प्रकृति किसके हाथ को उधार देगी?

उन्होंने छात्रों से कहा कि "जो लोग अल्लाह और उनके पैगंबर को अपना जीवन समर्पित करते हैं, वे धन्य और भाग्यशाली हैं। एक परिणाम, वे दोनों आश्चर्यचकित और चिंतित हैं। और वे दर्दनाक दर्द में होंगे। अल्लाह हमें लापरवाही और धोखे से बचाता है। (आमीन)

48.to अल्लाह ने किससे वादा किया है?

उन्होंने छात्रों से कहा कि "अल्लाह उन लोगों की मदद करेगा जो अल्लाह और उसके पैगंबर के लिए आज्ञाकारिता में अपना जीवन जीते हैं। इसके लिए, अल्लाह का वादा है कि" एक पवित्र व्यक्ति कौन है, और वह हमारी हिरासत में

है? " इसलिए अल्लाह हम सभी को हर समय लापरवाह होने से रोकता है और हमें अपना जीवन गुलामी (आमीन) में बिताने के लिए मार्गदर्शन करता है।

49. बड़ा दमन सही रास्ता है।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी, "हमारे पक्ष में एक बड़ी प्रार्थना क्या है?" इसका मतलब है कि हमारे जीवन के अंत तक सही रास्ते पर रहना और यह हमारी पूर्णता है। लेकिन इस तरह से अपना जीवन बिताने वाले व्यक्ति को अल्लाह की अदालत में कोई संदेह नहीं होगा, लेकिन हर काम में, धैर्य और दृढ़ता की आवश्यकता है, और धैर्य और दृढ़ता के बिना, सब कुछ बेकार है। अल्लाह हमें आशीर्वाद दें। (तथास्तु)

50. पापों का परिणाम

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे पापों से बचाने के लिए अल्लाह से प्रार्थना करें। अल्लाह को याद करते हुए किसी के जीवन को बिताने के लिए। एक व्यक्ति जो इस आदमी में अपना जीवन बिताता है NER निस्संदेह दोनों दुनिया में सफल होगा। अल्लाह इस मामले में इस तरह के काम के लिए पदोन्नति के लिए सभी को पुरस्कृत करेगा। (तथास्तु)

इस सूची में दूसरा आइटम धैर्य और दृढ़ता है, दोनों की आवश्यकता है। धैर्य के साथ, बड़े कार्य पूरे हो जाएंगे। और केवल धैर्य के साथ, कठिनाइयों का समाधान होगा। हालाँकि, प्रत्येक कार्य को निर्देशों के अनुसार और धैर्य के अनुसार पूरा किया जाना चाहिए।

51. धैर्य और दृढ़ता

उन्होंने छात्रों को सलाह दी, "यह जानना प्रसन्न था कि मन में बदलाव हैं।" अल्लाह सभी को ऐसा मार्गदर्शन और दिव्य मदद दे। (तथास्तु)। लेकिन एक शर्त है: यदि वह अपने जीवन के अंत तक इस तरह से दृढ़ है, तो वह सफल होगा। जिसने भी एक ऐसी स्थिति प्राप्त की है जो केवल धैर्य और दृढ़ता के माध्यम से है। अल्लाह धैर्य और दृढ़ता दे। (तथास्तु)

52. लोकप्रियता का स्रोत

उन्होंने छात्रों को सलाह दी, "भाइयों, लोकप्रियता का सबसे अच्छा स्रोत यह है कि एक आदमी को प्रत्येक और हर स्थिति में पाप से पश्चाताप करना चाहिए और अल्लाह के लिए दमन करना चाहिए, जिसमें हमारा उद्धार है।" जो अल्लाह को कठिनाई में याद करता है और फिर अल्लाह को आराम से याद करता है, वह एक शक के बिना एक पवित्र व्यक्ति है।

दास व्यक्ति का काम केवल अल्लाह को कहना है, और कोई अन्य काम नहीं है। अल्लाह हमारे बाद अच्छा करे। (तथास्तु)

53. आप प्रत्येक और हर स्थिति में अल्लाह का आभारी रहें

उन्होंने छात्रों को सलाह दी, "यह ज्ञात है कि आपका स्थानांतरण है।" अल्लाह की इच्छा भी है, और इस मामले में किसी के पास शक्ति नहीं है। लेकिन यह दासों का काम है कि दिन -रात अल्लाह की दासता में लगे रहे। प्रकृति जो कुछ भी होता है, उसके बारे में लाएगा, और हमें अपने सिर को नीचे रखकर इसे स्वीकार करना चाहिए। अल्लाह हमें

प्रत्येक स्थिति में धन्यवाद और उपासक बना देता है। (तथास्तु)

54. क्षमता के अनुसार उपचार

उन्होंने छात्रों को सलाह दी, "भाई, यह याद करते रहें कि मनुष्य का जीवन प्रकृति के हाथों में है, और जब तक जीवन नहीं है, तब तक कुछ भी नहीं होगा, और अब उपचार के काम के बारे में, हमें अपनी क्षमता के अनुसार उपचार करना होगा।" दुनिया एक क्षणभंगुर और नश्वर स्थान है।

यह जगह भरोसेमंद नहीं है। अल्लाह हमें अल्लाह की दासता में लापरवाही से दूर रखने के लिए मार्गदर्शन दे।

55. इस दुनिया में कठिनाई और दूसरी दुनिया में आराम है

उन्होंने छात्रों को सलाह दी, "वास्तव में, वे व्यक्ति भाग्यशाली हैं जो अल्लाह और उनके पैगंबर की आज्ञाकारिता में लगे हुए हैं।" इस दुनिया में उन पर जो भी कठिनाई हुई है, वे अगली दुनिया में बहुत अनुग्रह प्राप्त करेंगे, जो सही है। यही कारण है कि अल्लाह के पवित्र लोग दिन -रात संकट में थे।

अल्लाह की दया के बारे में कोई संदेह नहीं है। अल्लाह हमें अपने जीवन के लिए एक सुखद अंत दे सकता है और समय के अंत में हम पर अनुग्रह प्रदान करता है। (तथास्तु)

56. युवा अवधि और पूजा का महत्व

"युवा व्यक्तियों के लिए मेरा दमन केवल यह है कि वे पापों से मुक्त हैं और अल्लाह की पूजा में संलग्न हैं," उन्होंने सलाह दी। युवा काल में पापों से सुरक्षित रहेगा, और इसमें कोई संदेह नहीं है कि व्यक्ति एक भाग्यशाली और भाग्यशाली व्यक्ति है। अल्लाह सही रास्ते पर धैर्य और दृढ़ता प्रदान करता है। (आमीन)

57. अच्छे लोग वे हैं जो गलत काम और लापरवाही से बचते हैं।

उन्होंने छात्रों को बताया कि जो लोग धोखे और लापरवाही से बचते हैं, वे सफल होंगे और अपने गंतव्य पर पहुंचेंगे और इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह सही है, और इसके अलावा, सभी बेकार है।

58.Holy लोग भी कठिनाइयों का सामना करेंगे।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि उन्हें सभी परिस्थितियों में अल्लाह को याद करना नहीं भूलना चाहिए। और यहां तक कि अल्लाह के स्मरण के लिए अपने विचारों और जुनून में भी बने रहें। आप एक भाग्यशाली व्यक्ति हैं। लेकिन ध्यान रखें कि अल्लाह के पवित्र लोगों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। यह कठिनाई एक कठिनाई नहीं है, और इसमें, हमारा उद्धार है। और यह भविष्य में हमारा लक्ष्य होगा।

मोमिन आराम से और लापरवाह व्यक्तियों के लिए कठिनाई की तुलना करता है, कठिनाई सजा है। अल्लाह अल्लाह के स्मरण के जुनून में अपना पूरा जीवन बिताने के लिए हम सभी को मार्गदर्शन दे। (तथास्तु)

59. उसके बाद के जीवन व्यवहार में अल्लाह के तहत गुलामी है।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि, इसमें कोई संदेह नहीं है, ऐसे व्यक्ति भाग्यशाली और भाग्यशाली हैं और सही रास्ते पर होंगे। वे बाद के जीवन के विश्व व्यापारी हैं और जो केवल अल्लाह की दासता के कारण हैं। सिवाय इसके कि सब कुछ दुनिया की एक अस्थायी व्यवस्था है। इसलिए केवल

एक प्रार्थना है: अल्लाह सभी को सभी परिस्थितियों में सभी को आभारी और धैर्यवान बना सकता है। (आमीन)

60. पैगंबर पर आशीर्वाद भेजने का महत्व

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि एक अनुरोध किया जाता है, कि उन्हें पूरी तरह से स्मरण छोड़ देना चाहिए क्योंकि इसकी कोई आवश्यकता नहीं है। कोई भी, यदि आपके पास खाली समय और एक अच्छी स्थिति है, तो आपको अल्लाह के पैगंबर पर आशीर्वाद का पाठ करना चाहिए। और ठंडक होगी आशीर्वाद में।

और हम प्रत्येक प्रार्थना के बाद आशीर्वाद के व्यापक पाठ के परिणामस्वरूप अल्लाह के लिए दमन करते हैं। और बहुत पाठ के कारण, वहाँ, वहाँ अल्लाह के पैगंबर से मदद मिलेगी।

61. इलाज और सुझाव

उन्होंने छात्रों से कहा, "भाई, कोई भी प्रकृति के मामलों में प्रवेश नहीं कर सकता है।" यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम धैर्य रखें, प्रार्थना करने के लिए, और हमारी क्षमता का सबसे अच्छा इलाज करने की व्यवस्था करने के लिए। स्वास्थ्य के लिए अल्लाह से अनुरोध करें रिकवरी। (आमीन)। इलाज की व्यवस्था पैगंबर की सुन्नत की विधि के अनुसार है।

62. कार्रवाई और शर्तें

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "हाइडबैड सिटी में बहुत गड़बड़ी है, और यह सब हमारे कार्यों और पापों के परिणाम के कारण है।" इसलिए हमारी सफलता केवल कमांड के अनुसार है; अन्यथा, आश्चर्य और चिंता के अलावा, कुछ भी नहीं है।

वास्तव में, मानवता की भलाई अल्लाह और उसके नबियों की आज्ञाकारिता पर निर्भर है।

अल्लाह हम सभी को लापरवाही से बचाए। (तथास्तु)। वास्तव में, जो लोग अल्लाह और उनके पैगंबर की आज्ञाकारिता में हैं, वे सुरक्षित हैं। और कौन सा सही है? दिन-प्रतिदिन की स्थिति बदतर और बदतर होती जा रही है। ऐसे समय में, हमें इसके बाद के बारे में सोचना चाहिए, जो कि एक जरूरी है। अल्लाह की दया हो। (तथास्तु)

63. पत्र भेजने का महत्व और पत्राचार

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि पत्र और पत्राचार भेजकर, स्मृति की ताजगी होगी। और यह लापरवाही के लिए एक निवारक के रूप में काम करेगा, जो कि प्यार का सबूत है। किसी चीज के साथ प्यार में पड़ गया है या कोई व्यक्ति इसे स्पष्ट रूप से याद करेगा। हम सभी को अल्लाह और उसके पैगंबर के प्यार में दृढ़ता होनी चाहिए। (तथास्तु)

64. दुनिया एक कारवां, सराय है

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "यह ज्ञात था कि खाजा मोइनुद्दीन साहिब की मृत्यु हो गई थी।" अल्लाह उसे मृतक के परिवार के सदस्यों के लिए स्वर्ग और धैर्य में जगह दे सकता है। (तथास्तु)। हम सभी को इस दुनिया को छोड़ना होगा। और दुनिया एक कारवां सराय है, जिसमें एक व्यक्ति पहुंचता है और दूसरा छोड़ देता है। इसमें से सभी एक झूठी कहानी है। जो लोग अल्लाह और उसके पैगंबर का पालन करते हैं, दूसरी ओर, धन्य हैं।

उन्होंने दोनों दुनियाओं में और अल्लाह की अदालत में स्वीकार किया। अल्लाह आपको लापरवाही और गुमराह से दूर रखें। (तथास्तु)। इसलिए दुनिया एक अस्थायी जगह है, और यह

67

एक नश्वर रिसॉर्ट है। यदि उसके बाद अच्छा है, तो यह एक शाश्वत लाभ है।

65. हस्तांतरण और निर्देश

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि, "भाई, यह दुनिया है, और इस जगह में हम हमेशा एक रंग में नहीं रह सकते।" नतीजतन, हमें इस संबंध में नए स्थानों की यात्रा करनी चाहिए। परिणामस्वरूप, हमें चिंतित नहीं होना चाहिए। यह बताना चाहिए कि आप जहां भी रहते हैं और जहां भी जाते हैं, हमें अपना रास्ता नहीं छोड़ना चाहिए। और इसमें हमारी सफलता है। अल्लाह हमें हमारे जीवन के अंत तक सीधे रास्ते पर रखे। (आमीन)

66. दुनिया की वास्तविकता

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "अल्लाह के लिए यह है कि हमारे शेष जीवन को उसकी दासता में खर्च किया जा सकता है, और इसके अलावा, हमारे साथ कोई व्यवहार नहीं है, और इस दुनिया में धन और स्रोत हैं जो अस्थायी हैं और सदा के लिए नहीं हैं।" इसके बाद के व्यवहार गुलामी हैं, जो नकद है। अल्लाह की दया हो। (तथास्तु)

67. रमजान का महीना उसका पवित्र महीना है

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि रमजान का महीना आ रहा है और हमें उपवास रखने के लिए तैयार रहना होगा। और अगर हम किसी भी कारण से उपवास को छोड़ देते हैं, तो ऐसे व्यक्ति को अल्लाह की दया से दूर रखा जाता है। रमजान का महीना एक पवित्र महीना है, लेकिन यह केवल उन लोगों को लाभान्वित करता है जो इसे देखते हैं। ये वास्तव में, मोमिन (एक आस्तिक) लोग हैं। और उसे इस महीने की कृपा से दूर नहीं रखा जाएगा। रमजान के महीने के दौरान उपवास

68

बेहद महत्वपूर्ण है। हालांकि, असहायता के मामलों में रियायतें या अपवाद हैं।

68. सभी समस्याएं केवल पाप के कारण होती हैं।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे अल्लाह से प्रार्थना करें कि वे उन सभी को पापी रखें। अगर लाखों परेशानी और कठिनाइयाँ होंगी, लेकिन आप पाप में शामिल नहीं होंगे जो हमें हमारी समस्याओं में लाता है। अल्लाह ने हम पर दया की है। (आमीन), और यह हमारा कर्तव्य है कि मैं दिन और रात के दौरान पापों से दूर रहूं और अल्लाह को प्रार्थना और दमन में संलग्न करूं। क्योंकि सभी समस्याएं पूरी तरह से पापों के कारणों से उपजी हैं।

69. पैगंबर का समय और आदेश

उन्होंने छात्रों को सलाह दी, "भाइयों, यह केवल अल्लाह की पूजा करने का समय है।" आपको जो भी मिलता है, उसे खाएं। और जो कुछ भी आपको मिलता है, उसे पहनें और अल्लाह की याद में संलग्न हों। अलालह और उनके पैगंबर की आज्ञाकारिता सफलता का एक प्रमुख स्रोत है। यह अधिनियम कमांड के खिलाफ होगा, और परिणाम नकारात्मक होगा। अल्लाह हम सभी को सुरक्षित रखें। जो युवा काल में अच्छे कामों में लगे हुए थे, उन्हें बुढ़ापे में आराम मिलेगा और उन्हें अल्लाह से मदद मिलेगी।

70. वर्तमान समय में सफलता का कारण

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "यह टीआई है अल्लाह के गुस्से और गुस्से में। आज्ञाओं के प्रकाश में व्यापार से निपटने के लिए। इसलिए अल्लाह हम सभी को समस्याओं से बचाएं। (आमीन)

71. सभी स्थितियों में अल्लाह की दासता में कोई लापरवाही नहीं

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि किसी भी परिस्थिति में अल्लाह की दासता में दास को लापरवाही नहीं करनी चाहिए। (आमीन)

यदि सफलता का एक उच्च स्रोत है, तो केवल दासता है। इसके अलावा कोई अन्य स्रोत नहीं है। जो अपने पापों में सुरक्षित होंगे और अल्लाह की स्मृति में अपना जीवन बिताएंगे। और ऐसे लोग बेहद भाग्यशाली हैं। अल्लाह आपको गुमराह से सुरक्षित रखता है। (तथास्तु)

72. पैगंबर की राजनीति और आज्ञाओं में भागीदारी

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "लोग राजनीति में संलग्न हैं।" यह दुखद है कि वे इस तरह से जीने से, इस तरह की सगाई में शामिल हैं। अल्लाह की दया हो। (तथास्तु)

73. दुनिया ट्रेल्स का एक स्थान है।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि “दुनिया ट्रेल्स का एक स्थान है। जो लोग यहां पवित्र कर्मों में हैं, वे सफल हो गए हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर लिए हैं। जो बुरे काम करते हैं, वे मिट्टी में जीवन के कल्याण को खोने की तरह हैं। अल्लाह हमें लापरवाही और गुमराह से दूर रख सकता है और हमें मार्गदर्शन के मार्ग पर रख सकता है। (आमीन) अल्लाह हमारे जीवन के अंत तक हम सभी को सही रास्ते पर रख सकता है। (आमीन)। इस दुनिया में कोई अच्छा स्रोत या नींव नहीं है। यदि हम कई वर्षों तक रहते हैं, तो हमें एक दिन मरना होगा। और हमें इन सभी चीजों को छोड़ देना चाहिए। अल्लाह का आशीर्वाद आप पर हो। (आमीन)

74. युवा अवधि की पूजा और यह बहुत महान है।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "भाइयों, इस तरह से अपनाना आसान है।" लेकिन जीवन की पूरी अवधि के लिए पालन करने के लिए, जो पूर्णता है। और ऐसे लोगों को अल्लाह की अदालत में स्वीकार किया जाएगा। युवाओं की महान पूजा

पाप से मुक्त होना है और अल्लाह के पवित्र लोगों की कंपनी में रहना है, अल्लाह के लिए प्रार्थना और दमन करने के लिए, और गुमराह से मुक्त होना और दया की आवश्यकता है (आमीन)। यह विशेष बात है जीवन के अंत तक इस पथ पर पालन करें, जो पूर्णता की बात है। लेकिन जिन लोगों को स्थिति और स्थिति दी गई थी, उनके पैरों में केवल धैर्य और दृढ़ता थी। अल्लाह हमें पैरों की धैर्य और दृढ़ता (आमीन) दे।

75. छात्र की दैनिक अनुसूची

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि एक पुस्तक को पढ़ने के महत्व को ध्यान में रखें, जैसे कि 'कुतुबट घूसिया' या 'तदकार्टल औलिया', दैनिक आधार पर। लापरवाही और लापरवाही की बातचीत का व्यवसाय सुबह से शाम तक है। परिणामस्वरूप, आपको ऊपर सूचीबद्ध पुस्तकों को पढ़ना होगा।

इन पुस्तकों को पढ़ने से एक आदमी को लापरवाही से सुरक्षित रखा जाएगा और दासता के लिए उसका शौक बढ़ जाएगा और गलत काम के लिए घृणा होगी। इसलिए अल्लाह हमें अपने जीवन के सभी दिनों को सही रास्ते पर रख सकता है। (तथास्तु)

76. लालच की कोई सीमा नहीं है

"भाइयों, यह एक ऐसी दुनिया है जहां जीवों की कोई कमी नहीं है और लालच की कोई सीमा नहीं है," उन्होंने छात्रों से कहा। यदि दुनिया में बहुतायत है, तो भी कमी है। कार्रवाई का पाठ्यक्रम? अल्लाह और उसके पैगंबर के लिए जरूरी है, जैसा कि आदेशों के अनुसार, प्रार्थना करने, और अल्लाह के लिए अनुकरण करने के लिए काम कर रहा है। अन्यथा, शांति कभी नहीं होगी। यह लापरवाही का स्थान है, और आपके साथ कुछ भी नहीं आता है। इसलिए अल्लाह पर्याप्त है, और हमें अच्छी चीजों की आवश्यकता है।

77. कल्याण का तरीका

"अल्लाह, हर हालत में पैगंबर के दान के लिए, हमें अल्लाह और उसके पैगंबर की आज्ञाकारिता में अपना जीवन बिताकर मार्गदर्शन में रख सकता है, और हमें अपने जीवन के अंत तक मार्गदर्शन के रास्ते पर रखें," उन्होंने छात्रों को सलाह दी। ध्यान रखें कि इसमें अच्छा है, और इसके अलावा कल्याण का कोई अन्य तरीका या स्रोत नहीं है। अल्लाह हमें लापरवाही से सुरक्षित रखता है। (तथास्तु)

78. पैगंबर का वाणिज्य और कमान

"आपका पोस्ट कार्ड मेरे द्वारा प्राप्त किया गया है," उन्होंने छात्रों को सूचित किया। और मुझे पता चला कि आपने अपनी दुकान की बधाई स्थापित की है। लेकिन याद रखें कि यदि आप सत्य और ईमानदारी के साथ पालन करते हैं, तो हर समय पाप से बचें, और अपने वादों को नियमित रूप से रखें, अल्लाह आपको बहुतायत से आशीर्वाद देगा। और बहुत प्रगति होगी। इसलिए अल्लाह हमें लापरवाही से दूर रख सकता है और हमें अच्छा रख सकता है। (तथास्तु)

79. ब्याज के बारे में कमांड

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "आज आपका पोस्ट कार्ड मेरे द्वारा प्राप्त किया गया था, और मैं आपको जवाब दे रहा हूं।" ब्याज लेने के बारे में, यह अवैध है। यहां तक कि अगर आप इसे अपने लिए या दान के लिए उपयोग करने के लिए लेते हैं। लेकिन रुचि अवैध है। और जो कोई भी इसे प्राप्त करता है वह एक पापी होगा। बैंक में, एक राशि को बिना किसी ब्याज के खाते में रखा जा सकता है, और आर में ऐन बाज़ार, शिष्यों ने बैंक खाते में एक राशि को ब्याज से मुक्त रखा है, और यह आपकी जानकारी के लिए है।

80. आराम और परेशानियों की गतिविधियाँ

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "आज आपका पोस्ट कार्ड मेरे द्वारा प्राप्त किया गया था, और इसे पढ़ने पर, मेरे दिल से ऐसा ही था कि अल्लाह आपकी मदद करता है और आपकी समस्याओं को दूर करता है।" (आमीन।) कुछ आंदोलनों में आराम के दिनों का निधन हो गया। तो अल्लाह आपको धैर्य दे सकता है और आपकी मदद कर सकता है। (तथास्तु)

81. यह बिना किसी परेशानी के अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए संभव नहीं है।

उन्होंने छात्रों को चेतावनी दी कि "यात्रा के दौरान परेशानी होगी, और यात्रा को पास करना और बिना किसी परेशानी के गंतव्य पर पहुंचना संभव नहीं है।" और यात्रा के इरादे से, मुसीबत के लिए तैयार रहें, जो एक जरूरी है; और जो परेशानी के लिए तैयार है, वह अपने गंतव्य पर पहुंच जाएगा। अल्लाह हम सभी को ऐसा मार्गदर्शन दे। (तथास्तु)

जो कठिनाइयों को यात्रा के एक आवश्यक हिस्से के रूप में जानता है

इस तरह के यात्री को आलस्य से बचने से लाभ होगा। (इकबाल)

82. यह मोमिन व्यक्ति क्या है?

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "मोमिन" (एक आस्तिक) एक ऐसा व्यक्ति है, जो 24 घंटे के लिए अल्लाह में अपना विश्वास रखता है, और यदि उसके पास यह विश्वास नहीं है, तो उसका विश्वास कमजोर है। हमें अस्थायी और नश्वर व्यक्तित्व में विश्वास नहीं है। लेकिन हमें उस व्यक्ति पर विश्वास होना चाहिए जो हमेशा जीवित रहता है और अल्लाह के शाश्वत व्यक्तित्व। अन्यथा, कोई भी अन्य व्यक्तित्व तब तक कुछ भी नहीं कर सका जब तक कि अल्लाह कोई और कमांड नहीं देता।

83. दुनिया में आराम और परेशानी होगी।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "हमें दुनिया में आराम और परेशानी दोनों का सामना करना होगा, और प्रत्येक और हर स्थिति में, यह हमारे लिए अल्लाह के दास होने के लिए जरूरी है।" भगवान की इच्छा से इस्तीफा देने वाला कार्य एक उच्च ग्रेड का है। अल्लाह हमें ऐसे कार्यों और विशेषताओं के लिए आकार दे सकता है और हमें दोनों दुनिया में खुशी के योग्य बना सकता है। (आमीन)

84. पैगंबर की कमान के अनुसार नौकरी की खोज करें।

उन्होंने कहा, "अब मुझे विदेशों में व्यक्तियों से कई पत्र मिल रहे हैं कि यह सुना जाता है कि अब कई परेशानियां हैं," उन्होंने छात्रों को बताया। खुले वीजा के धारकों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह भी बताया गया है कि खुले वीजा धारकों को बहुत कम वेतन का भुगतान किया जाता है। बिना किसी कौशल वाले लोगों के पास परेशानी के अलावा कुछ भी नहीं होगा, जबकि पेशेवर अच्छे आकार में होंगे। अल्लाह के लिए दमन करने के अलावा, कुछ भी नहीं है। अल्लाह हम सभी का ख्याल रखे। (आमीन)

85. अल्लाह ने एक अच्छी स्थिति बनाए रखी है।

"भाई, यह दुनिया है, और एक व्यक्ति की स्थिति प्रकृति द्वारा निर्धारित की जाएगी।" "इसलिए उसे धैर्य और दृढ़ता के साथ इसमें रहना चाहिए; इसलिए यह सफलता है, और यह आपके उद्देश्य को प्राप्त करने का संकेत है,"

उन्होंने सलाह दी कि छात्र। जो लोग मुसीबत के समय में अल्लाह और उनके पैगंबर के आज्ञाकारी हैं, वे दूसरी दुनिया में अल्लाह की कृपा के लायक होंगे, जो कि निर्विवाद रूप से सही है। अल्लाह हमें धैर्य और दृढ़ होने के लिए ज्ञान प्रदान करे। (तथास्तु)। परेशानी का परिणाम आराम है, और आराम का परिणाम परेशानी है। अल्लाह हमें लापरवाही और गुमराह से दूर रखें। (तथास्तु)

86. स्रोतों को बढ़ाने के अर्थ को जीवन के रूप में संदर्भित नहीं किया जाता है।

"अल्लाह हम सभी को मार्गदर्शन (आमीन) पर हमारे पैरों में आभारी, धैर्यवान और दृढ़ता से सभी स्थितियों में रख सकता है, और इसमें हमारा अच्छा है," उन्होंने छात्रों को सलाह दी। वास्तविकता में, एक व्यक्ति जो धैर्य और स्थिरता के साथ रहता है मार्गदर्शन का मार्ग सफल है, और उनका जीवन उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने पर केंद्रित है। स्रोतों की संख्या को बढ़ाना और आश्चर्य की बात यह है कि यह लक्ष्य नहीं है। लेकिन जीवन अल्लाह और उनके पैगंबर का पालन करने और सामग्री में रहने के बारे में है। एक शक के बिना, भाग्यशाली। माला की सफलता उनके सिर पर होगी। अल्लाह हम सभी को लापरवाही के ऐसे कार्यों से दूर रखने के लिए मार्गदर्शन करे। (तथास्तु)

87. परीक्षा के बाद प्रगति होगी।

उन्होंने छात्र को सलाह दी कि "ध्यान रखें कि हमें दिन -रात पापों से दूर रहना चाहिए और पवित्र कर्मों पर अभिनय करना चाहिए, इसलिए किसी भी मामले में कोई गलती नहीं होगी, लेकिन हम सभी के लिए, जो हमारी परीक्षा होगी, और उसके बाद, और उसके बाद यह हमारी महानता और कल्याण में वृद्धि होगी। " हालांकि, हमें मार्गदर्शन के मार्ग पर बने रहने के लिए अल्लाह में धैर्य और विश्वास का प्रयोग करना चाहिए। और अल्लाह के व्यक्तित्व से कभी निराश

नहीं होना चाहिए। अल्लाह की निराशा हमें बेवफाई की स्थिति में ले जाती है। इसलिए अल्लाह हमें समस्याओं और कठिनाइयों से दूर रख सकता है और हमें दोनों दुनिया में सफल और संतुष्ट कर सकता है। (तथास्तु)

88. पैगंबर के एहसान और दयालुता

"11 जून को मुझ पर चीनी रोग का एक प्रभाव था, और अल्लाह की कृपा से, मेरी स्वास्थ्य की स्थिति अच्छी है," उन्होंने छात्रों को बताया। और चिंतित होने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि एक इलाज प्रगति में है। चीज़ें अच्छी हैं। यदि आप उनसे मिलते हैं तो कृपया दूसरों को सूचित करें। तो हर आपदा जो मनुष्य को प्रभावित करती है एक आशीर्वाद। कोई संदेह नहीं है कि यह दया है। केवल मुसीबत में अल्लाह की याद होगी। और वह अपना मुँह दुनिया से दूर कर देगा। और यह अल्लाह की ओर से होगा। और परेशानी गुलामी का स्रोत है। अल्लाह के महान पवित्र व्यक्ति प्रतिकूलता के माध्यम से अपने पदों पर पहुंच गए। यह अच्छा काम और अल्लाह की दया है। इसलिए अल्लाह, हम सभी को सभी परिस्थितियों में लापरवाही और गुमराह से दूर रखें, और हमें हमेशा दासता, धन्यवाद, और धैर्य (आमीन) में रखें।

89. एक झोपड़ी में धैर्य और संतोष के साथ रहना एक महल में रहने जैसा है।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "यह एक झोपड़ी में स्थानांतरण के बारे में जाना जाता है।" अल्लाह आपको बधाई दे। (आमीन।) अल्लाह हम सभी की मदद कर सकता है। तो संतोष, धैर्य और कृतज्ञता के साथ एक झोपड़ी में रहना एक

महल में रहने जैसा है। अल्लाह आपको इसके लिए इनाम देता है। (आमीन)

और अल्लाह इस मामले में सहायता और दया (आमीन) प्रदान कर सकता है। (आमीन) एक शक के बिना, अल्लाह सहायता प्रदान करेगा। लेकिन यह हमारे कल्याण को ध्यान में रखते हुए इसे पाएगा। बुरी चीजों के बारे में सोचने से बुरा लगता है। गरीबी अल्लाह की याद का सबसे अच्छा स्रोत है। एक अमीर राज्य में, अल्लाह की दासता के साथ कठिनाई होती है। अल्लाह हम सभी को जीवन के अंत तक सभी सामग्री रखें। (तथास्तु)

90. ऊंचाई यहाँ कम है।

उन्होंने कहा, "तस्लिम की कविता को याद रखें, जिसमें वह कहते हैं कि यहां ऊंचाई है और जो नीचे है," उन्होंने छात्रों को सलाह दी। इसके बाद के विपरीत दुनिया है। दुनिया उसके बाद के ध्रुवीय विपरीत है। इस दुनिया की कठिनाई दूसरी दुनिया का आराम है। और अन्य दुनिया की कठिनाई इस दुनिया की आराम है। आराम कठिनाई में छिपा हुआ है। अच्छे काम हमेशा मीठे परिणाम देते हैं। तो मैंने जो कहा वह यह है कि यह एक परीक्षण है, और इसका परिणाम सफलता है।

91. संदेह और निलंबन भी मुद्दे हैं।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "आदमी के लिए बीमारी आ जाएगी, इसलिए हमें दवा लेनी होगी और साथ ही साथ इलाज करना होगा, जो कि मस्ट हैं।" लेकिन अगर आपको संदेह और निलंबन नहीं है, और यदि आप संदेह और निलंबन में शामिल हैं, तो आप बैंक ऑफ डिस्ट्रक्शन के करीब हैं, और इसके साथ, बहुत कठिनाई है। और इसके कारण, कई घर नष्ट हो गए थे

। मोमिन के लिए अल्लाह और उसके कामों पर सब कुछ पर विश्वास करना। जो काफी सही है। अल्लाह की दया (आमीन) हो! क्या हम ऐसी सोच से दूर हो सकते हैं? (आमीन) दवा पैगंबर की सुन्नत के अनुसार है। यह इलाज और दमन दोनों के लिए एक आवश्यकता है।

92. प्रकृति का निर्णय दास व्यक्ति के पक्ष में है।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "यह याद रखें कि जो भी हो, दास के पक्ष में स्वाभाविक निर्णय होगा।" यह अज्ञात है कि इस मामले में इस देरी का क्या फायदा है। अल्लाह और उसके पैगंबर की आज्ञाकारिता में, अच्छा है। गुलाम व्यक्ति के लिए सब कुछ क्योंकि हम प्रकृति का हिस्सा हैं। जो लोग आज्ञा मानते हैं, एक शक के बिना, भाग्यशाली हैं। अल्लाह हम सभी को सही रास्ते पर रखता है। (आमीन)

93. उपचार की विधि सुन्नत और ज्ञान के अनुसार है।

उन्होंने छात्रों से कहा, "चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि अल्लाह जो कुछ भी करता है, परिणाम मिल जाएगा।" यह सब प्रकृति का खेल है। लेकिन उपचार की स्थिति के अनुसार, ज्ञान की स्थिति के अनुसार, और पैगंबर की सुन्नत के अनुसार। और अल्लाह का काम स्वास्थ्य को बहाल करना है। वसूली प्रदान करने के लिए सभी का काम हमारे द्वारा उपयोग की जाने वाली प्रत्येक दवा में मौजूद है और चिंता करने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि अल्लाह वसूली का दाता है। अल्लाह आपको उपचार और स्वास्थ्य प्रदान कर सकता है। (आमीन)

94. यदि हम पैदा हुए हैं, तो हम मरने के लिए
बाध्य हैं।

उन्होंने छात्रों से कहा कि "यदि हम पैदा हुए हैं, तो हमें मरना चाहिए, और यदि अनिवार्य मृत्यु होती है, तो उसके बाद के लिए अनिवार्य प्रावधान होना चाहिए।" इसलिए,

दुनिया के साथ हमारे व्यवहार में, हमें खुद को स्थायी आधार पर दासों पर विचार करना चाहिए।; अल्लाह हमारी मदद करे (आमीन)।

95. सामग्री सुखदायक होगी।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "अल्लाह आपको चिंताओं के साथ -साथ आश्चर्य से मुक्त कर सकता है।" और आपको एक शांतिपूर्ण जीवन (आमीन) का आराम प्रदान करें; एक शांतिपूर्ण जीवन का उच्च स्रोत अल्लाह में संतोष और पूर्ण विश्वास और विश्वास के अलावा और कुछ नहीं है। अल्लाह हमें ऐसी विशेषताएं दे सकता है। (तथास्तु)। जो अपनी प्रशंसा और स्थिति के लिए सामग्री, धैर्य और दृढ़ता का पालन करेगा, ताकि सोच और विचार करने के लिए अधिक और परे होने के लिए। अल्लाह ने दया की। (तथास्तु)

96. यह ऐसा होगा और यह मेरे जीवन के अंत तक होगा।

"भाई, मैं आपको एक तरह से दिखाऊंगा। यह वह तरीका है जो आप इसे रखते हैं। याद रखें कि आप तेजी से दौड़ने, थक नहीं रहे हैं, या इस तरह से परेशान हैं," उन्होंने छात्रों को सलाह दी। लेकिन धीरे -धीरे दौड़ें और तेज गति जारी रखें गंतव्य, और इसमें सफलता है। और इसलिए यह हमारे जीवन के अंत तक होगा। यह पसंद नहीं है, भाई, कुछ दिनों के लिए चलने के लिए और फिर बात पाने के बाद चुपचाप बैठें। लेकिन हमारे जीवन को अल्लाह की स्मृति में रहना चाहिए, और हमें इसका पालन करना चाहिए पैगंबर, जिस तरह से हम सफलता पाते हैं। एक छोटी सगाई के लिए, n छोड़ने के लिए, और यह सलाह केवल आपके लिए नहीं है, बल्कि सभी शिष्यों के लिए है। अल्लाह, पैगंबर के दान की खातिर, हमें धैर्य रखें और हमारे रास्ते में धैर्य रखें। (आमीन)

97. दुनिया की खुशी और चिंता क्षणभंगुर हैं।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "यह दुनिया अस्थायी और नश्वर है, और दुनिया की खुशी और चिंता भी अस्थायी हैं।" इसलिए, इस मामले में, हमें कमांड के अनुसार कार्य करना चाहिए। और जो कुछ भी प्रकृति प्रदान करता है, उसके साथ संतुष्ट होना चाहिए। दोनों दुनिया में स्थिति में सुधार होगा। अल्लाह धैर्य और धन्यवाद के लिए दिव्य मदद दे सकता है। और हमें लापरवाही और गुमराह से दूर रखें। (तथास्तु)

98. रिश्तेदारों के बीच विवाह प्रस्तावों की व्यवस्था बहुत अच्छी है।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी, "मैंने आपका पोस्ट कार्ड प्राप्त किया है और सभी विवरणों को जानने में सक्षम हैं। आपने लिखा है कि विवाह का प्रस्ताव अच्छा है। और वर्तमान अवधि के दौरान, शादी के प्रस्तावों के बाहर पूरी तरह से गलत हैं। यदि हमारे बीच अच्छे शिष्टाचार हैं, तब इस तरह के प्रस्ताव महान हैं और हम आपको बधाई देते हैं।

99. उदय और गिरने के कारण

उन्होंने छात्रों को चेतावनी दी कि "हर कोई जो आदेशों पर अभिनय करके उठता है, और जब आदेशों के खिलाफ कार्रवाई होती है, तो यह उनके पतन की शुरुआत है," इसलिए अल्लाह मार्गदर्शन करता है और हम सभी को सभी परिस्थितियों में और सभी मामलों में कार्य करने के लिए रखता है। आदेशों

के अनुसार और हमारे जीवन के अंत तक एक ही स्थिति में बने रहने के लिए। (आमीन)

100. चाहे वह आपके लिए अच्छा हो या बुरा

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "वह व्यक्ति जो कमांड के प्रकाश में व्यापार में संलग्न होगा, वह प्रत्येक और हर समस्या से सुरक्षित और सुरक्षित होगा।" उसे शांति और संतुष्टि मिलेगी। अल्लाह आपको खातों को सही और ठीक से रखने के लिए मार्गदर्शन दे। (आमीन।) और ये सब करना हमारे लिए अच्छा है और दूसरों के लिए नहीं। यदि हमारे कार्य पवित्र हैं, तो हम जो कुछ भी करते हैं, उसके साथ -साथ सफलता के साथ -साथ खुशी और अनुग्रह होगा। अल्लाह ने हम पर दया की। (तथास्तु)

101. अल्लाह के प्यारे लोग कौन हैं?

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "जो लोग अल्लाह और उनके पैगंबर की आज्ञा का पालन करते हैं, वे लोग हैं जो अल्लाह के प्रिय हैं।" और अल्लाह उन्हें संतुष्टि और शांति प्रदान करेगा। दुनिया के धन और संसाधन, जो क्षणभंगुर हैं, और शांति और संतुष्टि, जो महान हैं, भी महान धन हैं। लेकिन अल्लाह की दया भी है, जो केवल आज्ञाकारी दासों द्वारा पाया जा सकता है। अल्लाह हम सभी को अच्छा रखे। अल्लाह, जो ठीक से जीविका प्रदान करता है, जीविका के लिए जिम्मेदार है। क्योंकि अल्लाह जीविका का प्रदाता है, वह हमारे लिए प्रदान कर सकता है। वह, एक शक के बिना, हमारे लिए प्रदान करेगा। बाकी ठीक है।

102. समृद्धि माल और धन की बात नहीं है।

उन्होंने कहा, "अल्लाह हम सभी का मार्गदर्शन कर सकता है कि हम उनकी आज्ञाओं का पालन करें और हमें दोनों दुनिया

में एक समृद्ध और सफल जीवन प्रदान करें," उन्होंने छात्रों (आमीन) की कामना की। "समृद्ध" जीवन का अर्थ धन और संसाधनों में वृद्धि नहीं है, बल्कि शांति है। और आराम। यदि कोई शांति और आराम नहीं है, तो कई लाख डॉलर और संसाधनों का धन बेकार है। अल्लाह हमें सभी अच्छे स्वास्थ्य प्रदान करे। (तथास्तु)

103. सम्मान की रोटी और मिर्च की मिठाई को अपमानित करने के लिए बेहतर है।

"अल्लाह हमें हमारे जीवन के अंत तक पापों से सुरक्षित रख सकता है और व्यवहार में संलग्न होने के लिए मार्गदर्शन दे सकता है," उन्होंने छात्रों को सलाह दी। (आमीन)

यह अधिनियम हमारी भलाई के लिए होगा। यह वह जगह है जहाँ हमारी सफलता निहित है। रोटी और मिर्च जैसे सम्मानजनक खाद्य पदार्थ, अपमानजनक मिठाई के लिए बेहतर हैं। इसलिए अल्लाह हमें अच्छे इरादे से जीने में मदद करता है और दोनों दुनिया में सफलता के लिए मार्गदर्शन देता है। (तथास्तु)

104. धन्यवाद और आज्ञाकारिता की सभी शर्तों में रहने के लिए

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "हमेशा कमांड के प्रकाश में व्यवहार करें।" और जो भी परिणाम है, उसे भगवान की इच्छा से इस्तीफा दे दिया जाना चाहिए। (तथास्तु)। अल्लाह की इच्छा के अनुसार जो कुछ भी होता है वह दासों के लिए फायदेमंद होता है। नतीजतन, दास को धन्यवाद और आज्ञाकारिता की सख्त परिस्थितियों में रहना चाहिए। और यह गुणवत्ता आपको प्रसिद्धि लाएगी। अल्लाह हमें लापरवाही और गुमराह से दूर रखें। (तथास्तु)

105. सामग्री उत्कृष्ट गुणवत्ता की है।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी: "वास्तविकता को समझने के लिए, दिन -रात पापों से सुरक्षित रहने के लिए, प्रार्थना करने के लिए, अल्लाह का दमन करने के लिए, और आज्ञाओं के प्रकाश में व्यवहार करने के लिए, और जो आपको मिलेगा वह भोजन और पेय है, जो लालच को पीछे छोड़ देता है।, और सामग्री अच्छी गुणवत्ता की है। ” सामग्री के माध्यम से, कई पवित्र लोग उच्च-रैंकिंग वाले पदों पर पहुंच गए हैं। अल्लाह हमें लापरवाही और बुरे मार्गदर्शन से दूर रखें। (तथास्तु)

106.to अपने परिणाम के लिए कमांड और याचिका करें

उन्होंने छात्रों को सलाह दी, "देखो, भाइयों, कि हमें अपना काम आज्ञाओं के प्रकाश में करना होगा, और इसका परिणाम अल्लाह के हाथों में है।" इसलिए कमांड के अनुसार कार्य करने के लिए प्रत्येक और हर काम के लिए परिणाम के लिए दमन करने का एक आदेश है। यदि किसी ने कमांड का पालन किया है और वांछित परिणाम के लिए प्रार्थना की है, तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि उसे अपने दायित्व से दूर रखा गया है। अब सभी आह जो चाहे वह कर सकता है। अल्लाह हम सभी को अच्छी तरह से रखें। (तथास्तु)

107. दुनिया कार्रवाई का स्थान है।

"दुनिया की स्थिति परीक्षा का एक स्थान है, और यहां वह है जिसके पास अच्छी कार्रवाई है, और ऐसा व्यक्ति अपने लक्ष्यों के साथ -साथ इसके बाद आराम से सफल होगा," उन्होंने छात्रों को सलाह दी। एक परिणाम के रूप में, अल्लाह मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है ऐसे कृत्यों के लिए। (तथास्तु)

108. दुनिया स्वयं समस्याओं का स्रोत है।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी, "अल्लाह हमें सभी परिस्थितियों में धैर्य और धन्यवाद प्रदान कर सकता

है।" और हमारे दिनों (आमीन) के अंत तक सही दिशा में चलते रहें। दुनिया स्वयं समस्याओं का स्रोत है। इससे दूर रखने के लिए, किसी को आदेशों का पालन करना चाहिए। एक जिसने अल्लाह और उसके पैगंबर की आज्ञाओं का पालन किया, और वह सुरक्षित है, और जिसे ईश्वर का ज्ञान मिलेगा। और जो अल्लाह के करीब आते हैं। तो अल्लाह इस तरह से नहीं छोड़ने पर मार्गदर्शन दे सकता है। (तथास्तु)

109. दासता का स्वास्थ्य और शौक

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "आपके पोस्ट कार्ड मेरे द्वारा नियमित रूप से प्राप्त किए जा रहे हैं और मेरे लिए खुशी पैदा कर रहे हैं क्योंकि यह अल्लाह और उनके पैगंबर के लिए आपके प्यार का प्रमाण है।" इसलिए अल्लाह हम सभी को स्वस्थ और फिट रखता है, और इस स्वास्थ्य में उन्होंने हमें दासता के लिए एक शौक दिया है, ताकि हम दोनों दुनिया में सफल हो सकें।

110. यह आत्मा को जानने के लिए प्रतिज्ञा करने के लिए आवश्यक है।

"आपने लिखा है कि आत्मा और उसकी स्वच्छता को जानने में दिव्य सहायता प्राप्त करने के लिए, साथ ही आत्मा को जानने के लिए, जो कंपनी में छोड़ने के बिना नहीं जाना जाता है," उन्होंने छात्रों को सलाह दी। आत्मा को समझने के लिए एक चीज की आवश्यकता है और यह आवश्यक है गाइड की जीभ से जाना जाएगा। अल्लाह हम सभी पर दया करे। (तथास्तु)

111. विश्वास बढ़ाने के तरीके

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "पवित्र लोगों की कंपनी में होने और पवित्र लोगों की शर्तों को पढ़कर विश्वास में वृद्धि होगी।" और इसके बिना, विश्वास बढ़ाना मुश्किल है। इसलिए आप पवित्र लोगों की आत्मकथाओं के बारे में पढ़ते हैं, जो 'तदखर्टल औलिया' पुस्तक में हैं। यदि आप जानते हैं कि कैसे पढ़ना है, तो पुस्तक पढ़ें। यह दैनिक आधार पर पुस्तक के कुछ हिस्से को सुनना या पढ़ना चाहिए।

कहावत के अनुसार, "विश्वास पाने के लिए, पवित्र लोगों के शेड के नीचे चलें।"

तो अल्लाह हम पर दया कर सकता है। (तथास्तु)

112. वास्तव में वास्तविकता में विश्वास बढ़ेगा।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "अल्लाह में कम विश्वास और संसाधनों में अधिक विश्वास असहजता और असुविधा का कारण बनता है, और जब अल्लाह में विश्वास में वृद्धि होती है, तो बेचैनी और असुविधा में कमी होगी।" अब विश्वास में वृद्धि है जो सच्चाई को जानने पर निर्भर है।

इसलिए मेरे विश्वास की सीमा तक, आसानी और आराम होगा। अल्लाह के पवित्र लोगों की घटनाओं के बारे में पढ़ने से विश्वास बढ़ते हुए आशंका कम हो जाएगी। इसलिए अल्लाह हम सभी को लापरवाही और गुमराह से बचा सकता है। (तथास्तु)

113. दोनों दुनिया में सफलता के स्रोत।

"तो जीवन में समृद्धि और सफलता, साथ ही दोनों दुनिया में सफलता, अगर कोई स्रोत है, तो अल्लाह और उसके पैगंबर की आज्ञाकारिता है," उन्होंने छात्रों को सलाह दी। यह हर समय पापों से परहेज करता है और अपने जीवन को समर्पित करता है। अल्लाह और उसका पैगंबर। एक शक के बिना, अल्लाह मेक दासों को समृद्ध कर रहा है और उनके लिए लक्ष्य

निर्धारित कर रहा है; एक शक के बिना, उसका जीवन सफल होगा, और वह अपनी दासता में लापरवाह नहीं होगा। अल्लाह हम सभी को अच्छी तरह से रखें। (तथास्तु)

114.to इसके बाद के लिए एक अच्छा काम करें

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "सभी परिस्थितियों में आभारी और उपासक रहें, और दिन -रात पापों से दूर रखने के लिए, जो लोग अल्लाह द्वारा अपना जीवन बिताएंगे, वे अच्छे होंगे।" और इसके बाद उनके अच्छे होंगे। तो अल्लाह हम सभी को इस रास्ते पर रख सकता है। (तथास्तु)

115. दुनिया उसके बाद एक खेती के क्षेत्र की तरह है।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "जो लोग पवित्र कर्मों में लगे हुए हैं वे भाग्यशाली लोग हैं," और वह दोनों दुनिया में सफल होंगे। इसलिए अल्लाह, हम सभी को धैर्य और दृढ़ता के साथ इस रास्ते पर रखें। (तथास्तु)

116. इसके बाद का सौदा गुलामी है।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "मौत ने भी पैगंबर और अल्लाह के पवित्र व्यक्तियों को नहीं छोड़ा। हम सभी एक शक के बिना मर जाएंगे। दुनिया नश्वर है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को उसके बाद के व्यवहार में संलग्न होना पड़ता है। अल्लाह हम सभी को अच्छी सलाह दें। और अल्लाह हम सभी को लापरवाही और गुमराह से सुरक्षित रखें। (आमीन)

117. किसी भी कार्य के माध्यम से करना व्यर्थ है।

उन्होंने छात्र को सलाह दी कि "ओह, मेरी मां, देखें कि यह दुनिया गलत जगह है।" "जो खोजता है और सोचता है" का अर्थ है, जो अल्लाह और उसके पैगंबर की आज्ञाओं का पालन करेगा, और इस तरह वह सफल होगा और अपने जीवन के लक्ष्यों को

प्राप्त करेगा। और यदि वे खोज के बिना काम करते हैं, तो वे केवल समस्याओं और आश्चर्य की खोज करेंगे। अल्लाह हमें करने के लिए मार्गदर्शन करता है धीमी गति से प्रत्येक और हर खोज। किसी भी कार्य के माध्यम से जल्दी करना व्यर्थ (आमीन) है।

118. हमारा पर्यावरण उपयुक्त नहीं है

"भाइयों, देखें कि हमारा पर्यावरण उपयुक्त नहीं है," उन्होंने छात्रों को सलाह दी और ऐसी कंपनी में और साथ ही ऐसे वातावरण में जब तक कि हम कम से कम tha तदकिरत औलिया ’या‘ कुतुबट घोष आज़म ’की पुस्तक को नहीं पढ़ सकते हैं या सुनते हैं, कोई भलाई नहीं होगी। अल्लाह हम पर दया करे। (तथास्तु)

119. अपने काम में लगे रहें।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "भाइयों, यह किसी के बारे में जानने का समय नहीं है।" इसलिए आपको अपने काम में शामिल होना चाहिए। और अल्लाह के स्मरण में संलग्न हैं। हालाँकि, दूसरों की कंपनी में बाहर जाने के बजाय अल्लाह के पवित्र लोगों की पुस्तकों को पढ़ना फायदेमंद है। लेकिन उन लोगों को जाने और जाने के लिए जो सोचने, धर्म और कार्यों को साझा करते हैं, पवित्र लोगों के बारे में उनके साथ चर्चा करने के लिए अल्लाह की, और किताबें पढ़ने के लिए। अल्लाह हम सभी पर दया है। (अल्लाह)

120. दुनिया शैतान की दुकान है।

"अल्लाह लापरवाही और गुमराह (आमीन) से बचा सकता है," उन्होंने छात्रों को बताया।, पापों के बारे में सलाह, और हर कदम पर उनके बारे में आकर्षण।

तो अल्लाह हम सभी को पाप से बचाए और हमें अल्लाह और पैगंबर की आज्ञाओं का पालन करने के लिए मार्गदर्शन कर सकता है , और अगर ऐसी कार्रवाई होगी , तो सफलता होगी। अल्लाह हम सभी पर दया करे। (तथास्तु)

121. अल्लाह की सुरक्षा पाप से सुरक्षा में समृद्ध है।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "अल्लाह का स्मरण पाप से सुरक्षित रहने और अल्लाह और उसके पैगंबर की आज्ञाओं के प्रकाश में अपना जीवन बिताने के लिए बहुत अच्छा है। " यह विलाप करने के लिए व्यर्थ है और समय बीतने के बारे में शिकायत करना और किसी के जीवन को धन्यवाद और धैर्य के साथ जीना है।

122. मोमिन के जीवन की विधि (एक आस्तिक)

उन्होंने छात्रों को "यह याद रखने की सलाह दी कि एक मुस्लिम का काम केवल अल्लाह की दासता में दिन -रात संलग्न करना और अल्लाह की स्थिति में सामग्री जीने के लिए है। " और अल्लाह की इच्छा से इस्तीफा देना एक आस्तिक का काम है ; अन्यथा , यदि आप अन्य चीजों के बारे में चिंता करते हैं , तो आपको चिंता और आश्चर्य के अलावा कुछ नहीं मिलेगा।

सफलता के उच्च -स्तरीय स्रोत और हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करना स्वयं दो शब्द हैं : अल्लाह और उसके पैगंबर की आज्ञाओं के अनुसार , प्रार्थना करने के लिए , और अल्लाह का दमन करने के लिए जीवन के साथ व्यवसाय का संचालन करना। अपना जीवन खुश बिताएं। यह एकमात्र तरीका है जो एक आस्तिक और मुस्लिम जी सकता है। अल्लाह हम सभी पर दया करता है। (तथास्तु)।

123. जो कोई अल्लाह को भूल जाता है , अल्लाह उसे भूल जाएगा।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "यह आवश्यक है कि प्रत्येक और हर स्थिति में हमें अल्लाह और उसके पैगंबर का पालन करना होगा, और अल्लाह और उसके पैगंबर की याद में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए।"

महान कार्य दिन -रात पाप से दूर रहना और उसके व्यवहार में संलग्न होना है। और पाप से बचने के लिए, हमें अल्लाह और उसके पैगंबर का पालन करना चाहिए। और हमें अल्लाह और उसके पैगंबर को नहीं भूलना चाहिए। और जो अल्लाह को भूल जाएगा, जैसा कि अल्लाह उसे भूल जाएगा। अल्लाह की दया हो। (तथास्तु)

124. साहसी काम

"अल्लाह अपनी दया के लिए इनाम दे सकता है," उन्होंने छात्रों से कहा। और हमें समस्याओं और चिंताओं (आमीन) से दूर रखें, विशेष रूप से हमें अपने जीवन के अंत तक रास्ते पर रखने के लिए। (तथास्तु)। इस दमन की आवश्यकता है क्योंकि शैतान हमेशा हमें धोखा देने के लिए तैयार रहेगा। क्या भ्रामक है? जब एक समय आता है जब आप अपने पापों के बारे में सोचते हैं, लेकिन उन पर कार्रवाई न करें, यह साहसी काम है। यह दुनिया में सबसे अधिक साहसी काम नहीं है। पापों को छोड़ने के लिए और इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह साहसी काम है । अल्लाह हमें आत्मा के खिलाफ लड़ने के लिए साहसी बनाएं। (तथास्तु)

125. सभी दोष लापरवाही से हैं।

"देखें, भाइयों, कि दुनिया में सभी दोष हैं," उन्होंने छात्रों को सलाह दी। इसलिए, कोई संदेह नहीं है, जो लापरवाही से उठता है, मार्गदर्शन पाता है, और वास्तविकता जानता है, और अपने जीवन को आज्ञाओं के

प्रकाश में बिताता है, सफल रहें और दोनों दुनिया में अपने उद्देश्य खोजें। नतीजतन, हमें लापरवाही और पापों से बचने में अपना जीवन बिताना चाहिए। अल्लाह पवित्र मार्गदर्शन में मदद करता है। (तथास्तु)

126. यह एक अच्छी दुनिया और जीवन के बाद होगी।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "वह व्यक्ति एक भाग्यशाली व्यक्ति है जो अल्लाह और उसके पैगंबर की आज्ञाओं के प्रकाश में अपना जीवन बिताता है।" इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह दुनिया और अन्य जीवन अद्भुत होगा। अल्लाह हमें लापरवाही से दूर रखता है। (तथास्तु)

127. गुमराह क्या है, और गुलामी क्या है?

उन्होंने छात्रों को सलाह दी: "याद रखें कि इस तरह से गुमराह है, और पापों को अपनाना गुमराह है?" गुलामी क्या है? दिन -रात पापों से दूर रहने के लिए, अल्लाह की याद रखने के लिए, रहस्यों को जानने के लिए, प्रार्थना करने के लिए, और अल्लाह को दमन करने के लिए। जो इस कार्रवाई से लाभान्वित हुआ है, वह निस्संदेह भाग्यशाली है, और उसका भाग्य उज्ज्वल है। अल्लाह इन कार्यों से समृद्ध हो। (तथास्तु)।

128. ACTION- आधारित सजा और इनाम

"भाई, याद रखें कि सोचने के लिए कोई सजा या इनाम नहीं है," उन्होंने छात्रों को सलाह दी।? इसलिए, अगर कई लाख नकारात्मक विचार होंगे, तो उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए और सुरक्षित रहें। हालाँकि, अच्छे विचारों का पालन किया जाना चाहिए। (तथास्तु)

129. शुभ कार्रवाई और शुभ काम

"ध्यान रखें कि दिन-रात पापों से दूर रहने से, हम जो भी काम करते हैं, उसमें कोई संदेह नहीं हो सकता है कि काम

आशीर्वाद है और यह काम कल्याण हो रहा है," उन्होंने छात्रों को सलाह दी। Bay.and में यह एक शानदार उपलब्धि है।

यह पाप से दूर रहने के लिए बहुत प्रयास करता है। अल्लाह हमें बचाता है। (तथास्तु)।

130. दुनिया एक अस्थायी और नश्वर स्थान है।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी: "कि दुनिया एक अस्थायी और नश्वर स्थान है, और इस जगह पर कोई भरोसा नहीं है।" इसलिए इस जगह के सौदे कमांड के प्रकाश में किए जाने हैं, जो इसकी आवश्यकताओं के अनुसार उचित होगा। और फिर आप इसके बाद जो भी व्यवहार करते हैं और वह, जो कम होगा और अधिक नहीं होगा।

शब्द "उसके बाद के व्यवहार" का क्या अर्थ है? दिन और रात के दौरान पापों से दूर रहने के लिए और अल्लाह को प्रार्थना और दमन करें। और आज्ञाओं के अनुसार किसी के जीवन को जीने के लिए। नतीजतन, अल्लाह हमें इस तरह के कार्यों में लापरवाह नहीं होने का मार्गदर्शन कर सकता है। (तथास्तु)

131. अल्लाह के दरबार में स्वीकार किए जाने वाले कृत्यों

उन्होंने छात्रों को सलाह दी: "तो अल्लाह ने हमें पापों से दूर रखने और व्यवहार में संलग्न होने के लिए मदद और मार्गदर्शन किया।" और अल्लाह के लिए प्रार्थना करने और प्रार्थना करने के लिए जारी रखने में दिव्य सहायता। और दोनों दुनिया में सफल होगा। उन्हें गरीबी में रहने की कोई आवश्यकता नहीं है; वे आराम और शांति में रहते हैं। प्रगति का नाम धन और संसाधन नहीं है। लेकिन यह आराम और शांति की स्थिति का नाम है। अल्लाह हम सभी को लापरवाही और गुमराह से दूर रखें।

132. जीवन उन लोगों के लिए एक समस्या है जो गुलाम नहीं हैं।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी: "तो दुनिया में, गुलामी उसके बाद का व्यवहार है।" दासता भी जीवन का लक्ष्य है। इसलिए जीवन उन लोगों के लिए एक समस्या है जो गुलाम नहीं हैं। यह वह है जो अपना जीवन गुलामी में बिताएगा, और उसे कोई संदेह नहीं है कि वह एक भाग्यशाली व्यक्ति है। इसलिए दिन और रात के दौरान पापों से दूर रहना और अल्लाह की याद में जीवन बिताना गुलामी है। अल्लाह हमें गुमराह और लापरवाही से दूर रखें। (तथास्तु)

133. मंदिरों की यात्रा एक आध्यात्मिक एहसान
है।

"यह सूचित किया गया था कि आप पर्यटक बस सेवा द्वारा अजमारे सिटी की यात्रा करने का इरादा रखते हैं," उन्होंने छात्रों को सलाह दी। आप अपने स्नेह के अनुसार यात्रा कर सकते हैं। आध्यात्मिक एहसान का उच्च अनुग्रह स्रोत अल्लाह के पवित्र लोगों की कब्रों का दौरा कर रहा है। आप प्यार और बधाई (आमीन) के साथ आने के लिए स्वागत करते हैं। छात्र राज्यों को सलाह का एक पत्र है कि आपके पास अपने प्यार के साथ गुलबर्गा शहर का दौरा करने की अनुमति है। जाओ और यात्रा करो और वापस आओ। मैंने इस साल मौत की सालगिरह पर गुलबर्गा सिटी का दौरा करने का इरादा किया था, लेकिन इस मामले में कुछ कारणों से यात्रा नहीं करने के कुछ कारण थे। एक स्वास्थ्य मुद्दे के अलावा किराया का कोई कारण नहीं था। अल्लाह, सब कुछ अच्छा रखें। (आमीन)

134. रमजान के महीने में मोमिन (एक आस्तिक) का कार्य

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "रमजान का महीना आ रहा है, और यह उसके बाद व्यवहार का एक अच्छा और उच्च-स्तरीय स्रोत है।" पापों से दूर रखना, उपवास करना, अल्लाह को

याद करना, और मोमिन्स के लिए इस महीने बिताना रमजान के दौरान सौभाग्य और कारण में परम है। ऐसी स्थिति में लापरवाह नहीं होना। (आमीन)

135. अल्लाह के क्रोध की अवधि और अवधि की आज्ञा

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "दिन -प्रतिदिन, स्थिति बदतर और बदतर होती जा रही है।" इसलिए हमें तात्काल के साथ कार्रवाई पर वापस जाना चाहिए, क्योंकि इस तरह की स्थिति में कार्रवाई की स्थिति के कारण, अल्लाह और उसके पैगंबर की आज्ञाकारिता की आवश्यकता होती है, जो अनिवार्य है, और लोग समस्याओं से सुरक्षित नहीं हो सकते हैं जब तक कि यह नहीं किया जाता है। पापों की संख्या बढ़ जाती है, अल्लाह के क्रोध को हटा दिया जाएगा। सभी समस्याओं की जड़ केवल पाप है। तो इस अवधि में, समस्या का उपाय दासता को त्यागना और अल्लाह की आज्ञाओं के बाद अपना जीवन बिताना है; कोई अन्य उपाय नहीं है। तो दिन और रात के दौरान पापों से दूर रहने के लिए, प्रार्थना करने के लिए, और अल्लाह के पूरक के लिए। तो शायद दुनिया में शांति होगी और मृत्यु के बाद एक अच्छा जीवन होगा। अल्लाह की दया है। (तथास्तु)

136. युवा पूजा की अवधि व्यापक है।

"भाइयों, ध्यान रखें कि पापों से दिन -रात सुरक्षित रखने के लिए, जो युवाओं की पूजा है, जो बहुत अच्छा है," उन्होंने छात्रों को सलाह दी। और युवाओं की पूजा से बेहतर पूजा नहीं है, अवधि। युवाओं के लिए सबसे अच्छा जीवन क्या है, और युवा पूजा क्या है? इसलिए, दिन और रात के दौरान पापों से बचने के लिए, प्रार्थना करने के लिए, और अल्लाह का दमन करने के लिए, और बिना किसी संदेह के, वह व्यक्ति अपनी युवा अवधि के दौरान इस कार्रवाई से कौन पास होगा, यह एक भाग्यशाली और भाग्यशाली व्यक्ति है। और अल्लाह अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं को पूरा करेगा, जो

कि एक जरूरी है। और, इससे भी बेहतर, कोई अन्य कार्रवाई नहीं है।

एक अन्य सलाह पत्र में, उन्होंने छात्र को सलाह दी कि "युवा काल की सबसे अच्छी उपलब्धि दिन -रात पाप से सुरक्षित रहना है।" जब आप ऐसी स्थिति में होते हैं, जहां आप रहस्य जानना चाहते हैं, और विशेष रूप से जब आपके पास पुस्तकों में पवित्र लोगों की घटनाओं के बारे में पढ़ने का समय होता है, तो आपको "कुतुबट घोष आज़म" पढ़ना होगा। ताकि वह गुमराह से दूर हो सके। तो अल्लाह हमें चैरिटी द पैगंबर के लिए मार्गदर्शन करने के लिए, दिन और रात के दौरान पापों से परहेज करने के लिए, प्रार्थना करने के लिए, अल्लाह का दमन करने के लिए, आज्ञाओं के अनुसार काम करने के लिए, और रास्ते पर दृढ़ रहने के लिए। (आमीन) और वहाँ क्या इस एक की तुलना में युवा लोगों के लिए बेहतर प्रार्थना नहीं है। अल्लाह स्वीकार करते हैं। (तथास्तु)

137. यदि आप एक लंबा जीवन जीते हैं, तो आप अंततः
मर जाएंगे।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "दुनिया अस्थायी और नश्वर है।" यदि आप एक लंबा जीवन जीते हैं, तो आप मर जाएंगे और इन सभी चीजों को पीछे छोड़ने के लिए मजबूर होंगे। इसलिए, हर समय पापों से दूर रहें और व्यवहार में संलग्न रहें। यह हमारी सफलता के लिए आवश्यक है। यदि ऐसी समस्याएं हैं जो कारण हैं पापों से और जो पापों से मुक्त होंगे, फिर वह प्रशंसा के योग्य है। अल्लाह ने दया की। (तथास्तु)

138. एक पापी अपने आप में एक शैतान
है।

"सभी दोष पाप के कारणों के कारण होते हैं," उन्होंने छात्रों से कहा। पापी अपने आप में एक शैतान है। दुनिया और जीवन के बाद, जहां दोष और समस्याएं हैं, वे पूरी तरह से पाप और ए का परिणाम हैं वास्तविकता को समझने में विफलता। वह जो पापों से परहेज करेगा, लेन -देन में संलग्न होगा, और वास्तविकता को समझेगा, एक शक के बिना, एक भाग्यशाली, भाग्यशाली और पवित्र व्यक्ति। अल्लाह हम सभी को अपने पूरे जीवन में सही रास्ते पर रखता है। (तथास्तु)

139. साझेदारी के आधार पर व्यावसायिक व्यवहार करने के लिए नहीं

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "किसी भी साझेदारी के व्यावसायिक व्यवहार में भाग लेने के लिए याद रखें।" यह एक छोटे आधार पर व्यवहार करने के लिए अत्यधिक लापरवाही और त्रुटि का मौसम है, लेकिन आपका अपना होना चाहिए, और इस अवधि के दौरान, वहाँ है। सभी व्यक्तियों के इरादे में दोष, और हर व्यक्ति अल्लाह और उसके पैगंबर की आज्ञाओं के खिलाफ व्यवहार में संलग्न है। अल्लाह की दया हो। (तथास्तु)

140. दुनिया अस्थायी है, और इसके बाद सदा है।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह सही है, और इस तरह से खोजना अल्लाह की कृपा के कारण है।" इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह सही है। लेकिन इस पर दृढ़ होने के लिए, यह पूर्णता है। धैर्य और दृढ़ता सफलता और लक्ष्यों को प्राप्त करने की कुंजी है। किसी

भी प्रयास में सफलता के शक्तिशाली स्रोत हैं। भगवान की आज्ञाओं के प्रकाश में जीवन, जो एक महान बात है। हालत धैर्य और दृढ़ता है। और कोई भी स्थिति केवल दृढ़ता के माध्यम से प्राप्त की जाएगी। दुनिया या धर्म में, धैर्य और दृढ़ता होनी चाहिए। लेकिन दुनिया अस्थायी है, और इसके बाद सदा है। अल्लाह हम पर दया करे। (तथास्तु)

141. वास्तविक मार्गदर्शन और वास्तविक उपदेश के बीच क्या अंतर है?

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "वास्तविक मार्गदर्शन और वास्तविक उपदेश उस दिन और उस रात हैं: पापों से सुरक्षित रहने के लिए, अल्लाह की याद में संलग्न होने के लिए, प्रार्थना करने के लिए, और अल्लाह के लिए दमन करने के लिए।" और अल्लाह के प्रावधान में संतुष्ट होना। पापों से बचने के लिए परवाह करें। जो आंतरिक है, और वह व्यक्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। महान कार्रवाई हर समय पाप-मुक्त होना है। यह किसी व्यक्ति की जीभ से बताना आसान है, लेकिन पाप-मुक्त होना एक पूर्णता है। इसलिए अल्लाह, हम सभी को पाप से रखें। (आमीन)

142. हमारी सगाई के अनुसार बहाली होगी।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "यह पवित्र व्यक्तियों के बारे में कहा जाता है कि कोई युवा काल में काम में संलग्न होगा, और वही बात पुरानी अवधि में दोहराई जाएगी।" और जो मृत्यु की पीड़ा के दौरान उनके द्वारा देखा जाएगा, और जो पुरानी अवधि में दोहराया जाएगा। जो भी वह अपने समय की पीड़ा में देखता है और मृत्यु के बाद उसके लिए पुनर्जीवित हो जाएगा।

इसलिए मनुष्य को दिन -रात पढ़ना चाहिए और स्मरण और अल्लाह की चीजों से ग्रस्त होना चाहिए और अल्लाह के पवित्र लोगों की आत्मकथाओं को पढ़ने में संलग्न होना चाहिए। और अगर उसे कोई जुनून है, तो उसे इस कारण से

पुनर्जीवित किया जाएगा। अल्लाह इस तरह की कार्रवाई, स्मरण और विचार से मना न करे। (आमीन)

143. पवित्र व्यक्तियों की किताबें उनकी कंपनी कम नहीं हैं

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "पवित्र व्यक्तियों की किताबें अकेलेपन में उनकी कंपनी कम नहीं हैं। इसलिए पवित्र व्यक्तियों की जीवन की घटनाओं की पुस्तकों को पढ़ना आवश्यक है क्योंकि यह पढ़ना जो एक आदमी बनने के लिए एक आदमी को शौक देगा और यह होगा उसे गुमराह से रोकें और उसका विश्वास बढ़ाएं। और उसे धैर्य और साहस बनाएगा। और वास्तविकता के तहत s के लिए खड़े होंगे ome हद तक। और बेकार चीजों से नफरत आती है। हमेशा कमांड की रोशनी के अनुसार काम की क्षमता बनाई जाएगी। और इसके कई लाभ भी हैं। ‘तडखर्टल औलिया’ और gut कुतुबत घोंस आज़म की पढ़ना इस मामले में होना चाहिए। अल्लाह ने हम सभी को इस तरह की कृपा प्रदान की है। (आमीन)

144. स्वाद जो गुलामी में मिलता है जो किसी अन्य चीज़ में नहीं मिलता है।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि एक आदमी का सम्मान और भरोसेमंद केवल दासता में मिल जाता है। वह स्वाद जो गुलामी में मिलता है जो किसी अन्य चीज़ में नहीं मिलता है। यदि आप हजार व्यक्तियों की स्थिति देखते हैं, तो यह केवल दासता में मिलेगा, क्या दोनों दुनिया का कल्याण है। गुलामी क्या है? दिन -रात पापों से दूर रखने और कमांड के प्रकाश में पवित्र व्यवहार करने के लिए। और जो कुछ भी आप इसे खा लेंगे और जो भी आप इसे पहनते हैं। और अल्लाह के लिए भुगतानकर्ता और दमन करने के लिए इसे छोड़कर अगर हम उल्टा लटकते हैं तो यह बेकार है। और सिवाय इसके कि अगर कोई हवा में उड़ जाएगा तो गुमराह

होगा। और यह बेकार है। अल्लाह हम सभी को लापरवाही से सुरक्षित कर सकता है। (तथास्तु)

145.इन साइलेंस सोल आशंकाएँ पैदा करेगी।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "अल्लाह आपको शांति और समय का समय दे सकता है ताकि यह अच्छा हो और पवित्र व्यक्तियों की घटनाओं का अध्ययन करें, अल्लाह और दैनिक पुनरावृत्ति आदि की घटनाओं का अध्ययन करें, ताकि आप इस समय इस मामले में आशीर्वाद दें। यह सोच है बुरी कंपनी से बेहतर है और मौन बेकार है। मौन में आत्मा आशंका पैदा करेगी और हमें चिंता करेगी और अध्ययन अल्लाह के पवित्र व्यक्तियों की कंपनी के बराबर है। और पूजा से कम नहीं। अल्लाह अच्छा मार्गदर्शन देता है। (तथास्तु)

146. पाप लालच के कारण हैं

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "अल्लाह हमें लालच से दूर रखें ताकि हम पापों में शामिल न हों। (आमीन)। लोग जो कुछ भी कर रहे हैं, वे जो कुछ भी पसंद करते हैं, वह अल्लाह इस तरह के अधिनियम (आमीन) से दूर रख सकता है और अल्लाह उसकी मदद कर सकता है और अल्लाह के संसाधनों में क्या कम है और यह सही है। ”

147. यदि दृढ़ विश्वास है तो सफलता है

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि "सभी विवरणों को ज्ञात है कि कोई संदेह नहीं है कि कोई धैर्य नहीं है कि आपका काम नहीं किया गया है। लेकिन कुछ समय के बाद ऐसा होगा। लेकिन यह काफी सही है। लेकिन हमारे पास विश्वास नहीं है। यह आपकी स्थिति नहीं है, बल्कि एक ही स्थिति है।
मेरे साथ भी।

अगर दृढ़ विश्वास है तो सफलता है। लेकिन विश्वास को पूरा करना एक साधारण मामला नहीं है। यह कई वर्षों के प्रयासों के बाद संभव होगा। अल्लाह हमारे उद्देश्यों को पूरा करता है। (आमीन)

148. दवा की तैयारी डॉक्टर का काम है

उन्होंने सलाह दी कि "भाई अल्लाह और पैगंबर की दया से खुद को निराश न करें। लेकिन इलाज व्यवस्था करने की आपकी क्षमता के अनुसार, जो अल्लाह के पैगंबर की सुन्नत की विधि के अनुसार है। और इसके बाद अल्लाह में अच्छी आशा रखना है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अल्लाह उसके हाथ में इलाज का तरीका है।

दवा की तैयारी केवल डॉक्टर का काम है। लेकिन इलाज इस मामले में अल्लाह के हाथ में है। इसलिए इस मामले में निराश होने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए कि क्या दवा हो सकती है, जिसमें दो पैसे खर्च हो सकते हैं लेकिन हमें इसका उपयोग हमारे लिए करना होगा। जैसा कि इलाज है अल्लाह के हाथ में है। प्रार्थना में भाग लें और इस कारण से आकलन करें ताकि इस कारण हमारे लिए उपलब्ध इलाज हो।

149. अल्लाह के पवित्र व्यक्तियों की कंपनी बहुत बड़ी बात है

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि “अल्लाह हमें सीधे रास्ते पर हमारे जीवन के अंत तक रख सकता है। (तथास्तु)। यह अच्छा है कि अल्लाह के पवित्र व्यक्तियों की कंपनी बहुत बड़ी बात है और जो लोग बहुत अधिक कंपनी प्राप्त करते हैं, उन्हें बहुत फायदा होगा। और उन्हें आशंकाओं

और आश्चर्य से उद्धार मिलेगा। लेकिन कंपनी से बाहर निकलना बहुत मुश्किल है। अल्लाह हम सभी पर दया करे।
(तथास्तु)।

150. पवित्र बच्चे अल्लाह की एक बड़ी कृपा हैं।

उन्होंने छात्र को सलाह दी कि “यह आपकी सौभाग्य है कि अब तक आपके बच्चे अच्छे शिष्टाचार हैं और यह आपके अच्छे इरादे के कारण है और यह आपके अच्छे कामों का परिणाम है और यह अल्लाह का एहसान और अनुग्रह है। पवित्र बच्चे अल्लाह की एक बड़ी कृपा हैं और यह सौभाग्य का संकेत है।

संभव के रूप में जो भी हो और जितना भी और जो भी दासता और स्मृति हो, जिसमें हमें लगे रहना चाहिए और इस मामले में खाली नहीं रहना चाहिए और इसमें हमारे लिए अच्छी बात है।

समाप्त।